राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 26 सितंबर 2022 वर्ष–5,अंक–240 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंकिता मर्डर केस: गुस्से में देवभूमि

कई संगठनों के लोग धरने पर बैठे, बदरीनाथ हाईवे किया जाम, परिवार का अंतिम संस्कार से इनकार

ऋषिकेश/श्रीनगर। अंकिता हत्याकांड के विरोध में पूरे पहाड़ में लोगों में उबाल है। लोगों ने जगह-जगह धरना, प्रदर्शन कर गुस्से का इजहार किया। साथ ही दोषियों को तत्काल फांसी की सजा देने की मांग की। वहीं, सुबह इस दौरान कांग्रेस, वामपंथी संगठन, छात्र संगठन के लोग मोर्चरी के आगे बदरीनाथ हाईवे पर धरने पर बैठ गए। अधिक संख्या में लोग होने के कारण रास्ता जाम हो गया। जिसके चलते सड़क के दोनों ओर वाहन फंस गए। ट्रैफिक कोटेशवर और कीर्तिनगर से डाइवर्ट कर दिया। लेकिन छात्रों ने यहां भी जाम लगा दिया। लोगों का कहना है कि अंकिता कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। अंकिता के भाई को भी नौकरी दी जाए। वहीं, श्रीनगर बाजार भी आज बंद रखा गया। अंकिता हत्याकांड पर महिलाएं भी मुखर हो रही हैं। उनका कहना है कि युवतियों को गलत काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इनकार करने पर हत्या की जा रही है। सभासद सविता भट्ट ने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचारियों व अपराधियों को शह दे रही है। सरकार की शह पर प्रदेश में अपराध फलफूल रहा है। स्थिति यह है कि भाजपा जिन्हें सरकार में दायित्व दे रही है उनके बच्चे आम लोगों की बेटियों को अपनी हवस का शिकार बनाने पर तुले हैं। सभासद कविता जोगेला ने कहा कि प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था बनाने में असफल है। वहीं रुद्रप्रयाग में शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस सहित अन्य कई छात्र संगठनों ने जिला मुख्यालय में प्रदर्शन किया। छात्र नेता संपन्न नेगी, नीरज कप्रवाण आदि का कहना था कि अब पहाड़ में भी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। आज भी छात्रों ने फांसी की मांग की। टिहरी के घनसाली में व्यापारियों ने स्थानीय लोगों के साथ यहां बूढ़ाकेदार

में प्रदर्शन किया। थराली में अंकिता भंडारी हत्याकांड और उसके साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर थराली के व्यापारियों में रोष है। व्यापार संघ अध्यक्ष संदीप रावत सहित अन्य व्यापारियों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर हत्याकांड के दोषियों को सजा देने की मांग की। पोखरी में कांग्रेस कार्यकताओं ने राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर अंकिता के हत्यारों को जल्द फांसी की सजा दिलाने की मांग की है। राज्य आंदोलनकारी चंद्रकला बिष्ट ने कहा कि अंकिता के साथ जिस तरह का अत्याचार हुआ है उससे देवभूमि शर्मिंदा हुई है।

दिग्विजय सिंह ने आरएसएस की तुलना पीएफआई से की, सुशील मोदी बोले- शर्म आनी चाहिए

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने रविवार को कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, आरएसएस की तुलना पीएफआई से करने पर दिग्विजय सिंह को शर्म आनी चाहिए। सुशील कुमार मोदी ने कहा, दिग्विजय सिंह ने हमेशा आतंकवादियों का समर्थन किया है। वे बाटला हाउस के आतंकवादियों के समर्थक थे। आज उनकी हालत ऐसी है कि वह 20 साल बाद भी मध्य प्रदेश में सत्ता में नहीं आ पाए हैं। भाजपा नेता ने कहा, वह उस आरएसएस की पीएफआई से तुलना कर रहे हैं, जिसकी देशभक्ति निर्विवाद है। उन्होंने कहा, दिग्विजय सिंह ऐसे संगठन का समर्थन कर रहे हैं, जो पीएम मोदी की हत्या की साजिश रच रहा था और भारत को इस्लामी राष्ट्र बनाना चाहता था। दिग्विजय सिंह शनिवार को ग्वालियर में थे। वे नेता प्रतिपक्ष

गोविंद सिंह के साथ पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। जब उनसे पीएफआई पर कार्रवाई से जुड़ा सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जो नफरत फैलाए, धार्मिक उन्माद फैलाए और हिंसा का माहौल बनाए ऐसे सभी संगठनों पर कार्रवाई होना चाहिए। इनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है तो संघ के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। विश्व हिंदू परिषद पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है, उन पर भी कार्रवाई होना चाहिए। जो नफरत फैलाता है वे एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं।

कुपवाड़ा में घुसपैठ नाकाम: दो आतंकी ढेर

एके-47 समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद

कुपवाड़ा। कश्मीर संभाग के जिला कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर में एलओसी के पास सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया है। बताया जा रहा है कि सुरक्षाबलों ने नियंत्रण रेखा के पास दो आतंकियों को ढेर किया है। मौके से दो एके 47 राइफल और अन्य हथियार भी बरामद किए गए हैं।

घटना के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। फिलहाल मारे गए आतंकियों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। इससे पहले शनिवार की रात दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में आतंकियों ने दो बाहरी मजदूरों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। फायरिंग में घायल दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि आतंकियों के हमले में घायल मजदूरों की शिनाख्त बिहार के बेतिया जिले के शमशाद व फैजान कासरी के रूप में हुई है। दोनों काम कर रतनीपोरा लौट रहे थे तभी रास्ते में आतंकियों ने उन्हें रोककर गोली

मार दी। खून से लथपथ होकर गिरने के बाद आतंकी भाग निकले। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। वहीं, 11 अगस्त को कश्मीर संभाग के बांदीपोरा में आतंकियों ने गैर-स्थानीय नागरिक पर फायरिंग की थी। इस हमले में नागरिक गोली लगने से घायल हो गया था, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया था। मृत मजदूर की पहचान बिहार निवासी मजदूर मोहम्मद अमरेज के तौर पर हुई थी।

ट्रक और ट्रैक्टर की टक्कर में चार की दर्दनाक मौत, आठ घायल, सीएम ने जताया शोक

ललितपुर। कोतवाली तालबेहट अंतर्गत गांव बमोरी सर के पास डिग्री कॉलेज के सामने एनएच 44 पर एक ट्रैक्टर और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई, जिसमें चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालबेहट लाया गया, जहां उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया गया। जानकारी मिलने पर पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। मृतकों में पन्नालाल 42 पुत्र हीरालाल, गांव बमोरी सर निवासी किरण 36 पत्नी तुलाराम, आरती 36 पत्नी जमुना, नई बस्ती तालबेहट निवासी निरपत 50 पुत्र घसीराम की मौके पर ही मौत हुई है। घटना की जानकारी पर डीएम आलोक सिंह और एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी ने मौके पर पहुंच गए है।

भगत सिंह के नाम पर होगा चंडीगढ़ एयरपोर्ट

मन की बात में पीएम मोदी ने किया एलान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से एक बार फिर से देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान चीतों को लेकर अहम जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने एक बड़ी घोषणा यह कि 28 सितंबर से चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम अब शहीद भगत सिंह जी के नाम पर होगा। पीएम मोदी ने कहा कि हमने देखा है त्योहारों पर पैकिंग के लिए पॉलिथीन बैग्स का भी बहुत इस्तेमाल होता रहा है । स्वच्छता के पर्वों पर पॉलिथीन जो कि एक नुकसानकारक कचरा है। ये भी हमारे पर्वों की भावना के खिलाफ है। इसलिए, हम स्थानीय स्तर पर बने हुए ल्लङ्कल्ल-स्र॑२३ू ्ु२ का ही इस्तेमाल करें। हमारे यहां टके, सूतके, केले के, ऐसे कितने ही पारंपरिक बैग का चलन एक बार फिर से बढ़ रहा है। ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम त्योहारों के अवसर पर इनको बढ़ावा दें, और स्वच्छता के साथ अपने और पर्यावरण के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें । पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया अब इस बात को स्वीकार कर चुकी है कि फिजिकल और अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग बहुत ज्यादा कारगर है। विशेषकर डायबिटीज और ब्लड प्रेशर से जुड़ी मुश्किलों में योग से

बहुत मदद मिलती है। योग की ऐसी ही शक्ति को देखते हुए 21 जून को संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाना तय किया हुआ है। अब संयुक्त राष्ट्र ने भारत के एक और प्रयास को चिन्हित किया है, उसे सम्मानित किया है। ये प्रयास है, वर्ष 2017 में शुरू किया गया - भारत उच्च रक्तचाप नियंत्रण पहल। पीएम मोदी ने कहा कि 28 सितंबर को अमृत महोत्सव का विशेष दिन आ रहा है। इस दिन हम भारत मां के वीर सपूत भगत सिंह जी की जयंती बनाएंगे। हमने एक महत्वपूर्ण निर्णय किया है। यह तय किया है कि चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम अब शहीद भगत सिंह जी के नाम पर रखा जाएगा। इसकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी। पीएम मोदी ने कहा कि चीतों का नामकरण अगर पारंपरिक(ळ१४ि३्रङ्कल्लं')हो तो काफी अच्छा रहेगा, क्योंकि, अपने समाज और संस्कृति, परंपरा और विरासत से जुड़ी हुई कोई भी चीज, हमें सहज ही, अपनी ओर आकर्षित करती है। यही नहीं, आप ये भी बताएं आखिर इंसानों को जानवरों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए ! हमारी मौलिक जिम्मेदारी में भी तो जानवरों के प्रति आदर दर्शाया गया है। मेरी आप सभी से अपील है कि आप इस प्रतियोगिता में जरुर भाग लीजिए - क्या पता इनाम स्वरूप चीते देखने का पहला अवसर आपको ही मिल जाए! पीएम मोदी ने कहा कि मैं आप सबको कुछ-कुछ काम सौंप रहा हूं, इसके लिए ट८ॠ्र५ के स्र॑३ङ्क१ पर, एक प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिसमें लोगों से मैं कुछ चीजें साझा करने का आग्रह करता हूं। चीतों को लेकर जो हम अभियान चला रहे हैं, आखिर, उस अभियान का नाम क्या होना चाहिए? क्या हम इन सभी चीतों के नामकरण के बारे में भी सोच सकते हैं, कि, इनमें से हर एक को, किस नाम से बुलाया जाए? पीएम मोदी ने कहा कि आज 25 सितंबर को देश के प्रखर मानवतावादी, चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्मदिन मनाया जाता है। उनके विचारों की खूबी यही रही है उन्होंने अपने जीवन में विश्व की बड़ी उथल-पुथल को देखा था।

तिरुपति में बड़ा हादसा, घर में आग लगने से डॉक्टर व दो बच्चों की मौत

तिरुपति। रविवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां एक घर में आग लगने से एक डॉक्टर व उनके दो बच्चों की मौत हो गई। शुरूआती जांच में पता चला है कि आग शार्ट सर्किट के कारण लगी। रेनीगुंटा पुलिस इंस्पेक्टर आरोहण राव ने बताया कि घटना सुबह करीब तीन से चार बजे के आसपास की है। यहां शार्ट सर्किट के कारण घर की पहली मंजिल पर आग लग गई। उन्होंने बताया, घर के भूतल में क्लिनिक संचालित हो रहा था। वहीं डॉक्टर का परिवार पहली व दूसरी मंजिल पर रह रहा था। राव ने बताया कि घटना की जानकारी होते ही दमकल विभाग को सूचना

दी गई। इस दौरान चलाए गए बचाव अभियान में डॉक्टर की पत्नी व उनकी मां को बचा लिया गया। जानकारी के मुताबिक, डॉक्टर रवि शंकर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, उनके 12 साल के बेटे और सात साल की बेटी की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया, मामला दर्ज कर लिया गया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मानसून के आखिरी दौर में भारी बारिश, दिल्ली-हरियाणा-पंजाब समेत इन इलाकों में आज भी राहत नहीं

नई दिल्ली। मानसून सीजन के आखिरी दौर में देश के कई हिस्सों में जोरदार बारिश का सिलसिला जारी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (क्टऊ) ने अगले 24 घंटों में राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली के कुछ हिस्सों में बरसात का अनुमान लगाया है। रविवार को पश्चिम बंगाल और सिक्किम के भी कुछ हिस्सों में छिटपुट से लेकर भारी बारिश हो सकती है। असम, मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम और अरुणाचल सहित कई पूर्वोत्तर राज्यों में मंगलवार तक गरज के साथ बरसात और बिजली गिरने

की आशंका है। मौसम विभाग ने बताया कि पूर्वोत्तर राजस्थान और उसके आसपास के इलाकों पर चक्रवाती सकुर्लेशन का प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही दक्षिण हरियाणा में लो प्रेशर सिस्टम पाया गया है। विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ की डिटेल्स को जोड़ते हुए कहा, 'दक्षिण हरियाणा में निम्न दबाव के क्षेत्र से एक ट्रफ रेखा और दक्षिण उत्तर प्रदेश में उत्तरी छत्तीसगढ़ तक एक ट्रफ रेखा चल रही है।' ऐसे में इन इलाकों से आज मध्यम से भारी बारिश होने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में भारी बारिश, बिजली गिरने, डूबने और बोरवेल में गिरने की विभिन्न घटनाओं में पिछले दो दिनों में 18 लोगों की मौत हुई है। शनिवार को जारी सरकारी बयान के मुताबिक, भारी बारिश के कारण 5 लोगों की मौत हो गई। इसमें मुजफ्फरनगर में 2 और फतेहपुर, अलीगढ़ व गोरखपुर में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। राज्य में बिजली गिरने से प्रयागराज में 3 और चंदौली, सीतापुर, अलीगढ़ और हरदोई में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई।

शशि थरूर को झटका, अशोक गहलोत के समर्थन में आए केरल के कांग्रेस सांसद, बताया- गांधी-नेहरू परिवार का वफादार

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव की लड़ाई रोचक होती जा रही है। सांसद शशि थरूर और राजस्थान के मुख्यंत्री अशोक गहलोत के बीच मुकाबला हो सकता है। थरूर ने इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। जयपुर में आज कांग्रेस विधायक दल की बैठक होने वाली है, जिसमें राजस्थान में नए मुख्यमंत्री और गहलोत के इस्तीफे की घोषणा हो सकती है। इस बीच पार्टी के कई नेता गहलोत को नेहरू-गांधी परिवार का वफादार बताते हुए उनके समर्थन में सामने आए हैं। केरल के कांग्रेस सांसद कन्नोथ मुरलीधरन ने कहा है, ₹कांग्रेस सांसद थरूर पार्टी प्रमुख का चुनाव लड़ सकते हैं, क्योंकि सोनिया

गांधी ने स्पष्ट कहा है कि कोई भी यह चुनाव लड़ सकता है।₹ गहलोत के जीतने की संभावना की तरफ इशारा करते हुए मुरलीधरन ने कहा, ₹अशोक गहलोत ने खुले तौर पर कहा कि वह नेहरू-गांधी परिवार का समर्थन करते हैं। ऐसे में अगर वह नामांकन करते हैं तो हमारा वोट अशोक गहलोत को ही जाएंगे। वह एक वरिष्ठ व्यक्ति हैं और इस पद को संभालने के लिए एक सक्षम व्यक्ति हैं।ॅ उन्होंने आगे कहा, ₹राहुल गांधी पार्टी का नेतृत्व करेंगे, लेकिन वह आधिकारिक पद नहीं लेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा पार्टी में 'एक आदमी-एक पद' के सिद्धांत को लागू करने पर जोर देने के साथ राजस्थान सरकार के कई मंत्रियों ने भी अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष दोनों पदों पर बनाए रखने की वकालत की है। सोनिया गांधी ने राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन के साथ मल्लिकार्जुन खड़गे को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। एआईसीसी महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने कहा कि वे राजस्थान विधानसभा के कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक में शामिल होंगे। राजस्थान सरकार में शामिल कुछ मंत्रियों ने नए मुख्यमंत्री के रूप में सचिन पायलट का समर्थन भी किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान इस संबंध में जो भी फैसला करेगा, वह उसे स्वीकार करेंगे। सैनिक कल्याण मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने पायलट को राजस्थान में कांग्रेस का 'सर्वश्रेष्ठ चेहरा' बताया है। वहीं, राजस्थान में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर आपदा प्रबंधन एवं राहत मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने कहा, "राज्य में एक साल में चुनाव होने वाले हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मोदी को इनसे कोई खतरा नहीं

जिस व्यक्ति ने उनकी कुर्सी हिलाने के लिए जमीन-आसमान एक कर दिए थे और जिसे मुख्यमंत्री ने निकम्मा तक कह दिया था, उसका मुख्यमंत्री बन जाना गहलोत की इकन्नी हो जाना है। इसका अर्थ यह भी हुआ कि गहलोत के कांग्रेस अध्यक्ष बनने का कोई अर्थ नहीं है।

(लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक)

आज के दिन तीन बड़ी खबरें हैं। ये तीनों अलग-अलग दिखाई पड़ रही हैं लेकिन तीनों आपस में एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। पहली खबर यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष कौन बनेगा? दूसरी खबर यह कि देश के लगभग सभी प्रमुख विरोधी दल मिलकर भाजपा-विरोधी मोर्चा खड़ा कर रहे हैं। तीसरी खबर यह कि यदि अशोक गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष बनना पड़ गया तो राजस्थान का मुख्यमंत्री कौन बनेगा? यदि अशोक गहलोत का बस चलेगा तो सचिन पायलट को वे अपना स्थान क्यों लेने देंगे? जिस व्यक्ति ने उनकी कुर्सी हिलाने के लिए जमीन-आसमान एक कर दिए थे और जिसे मुख्यमंत्री ने निकम्मा तक कह दिया था, उसका मुख्यमंत्री बन जाना गहलोत की इकन्नी हो जाना है। इसका अर्थ यह भी हुआ कि गहलोत के कांग्रेस अध्यक्ष बनने का कोई अर्थ नहीं है। जिसे प्रियंका और राहुल जो चाहें, सो बना दें तो फिर आप चाहे प्रधानमंत्री बन जाएं या कांग्रेस अध्यक्ष बन जाएं, आप रबर के ठप्पे से ज्यादा कुछ नहीं होंगे। यों भी गहलोत चाहते थे कि वे मुख्यमंत्री और पार्टी-अध्यक्ष, दोनों बने रहें लेकिन राहुल ने एक व्यक्ति, एक पद का बयान खुले-आम देकर गहलोत की मन्शा पर पानी फेर दिया। वैसे गहलोत की यह इच्छा गलत नहीं थी, क्योंकि जब एक व्यक्ति प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष दोनों बने रह सकता है तो वह मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष क्यों नहीं बना रह सकता है? इसमें शक नहीं कि आज कांग्रेस की जो दुर्दशा है, उसके मूल में बापकमाई का असली मसला है। देश में अपने बाप या माँ के दम पर जो भी नेता बने हैं, उनका अहंकार रावण को भी मात करता है। कांग्रेस का भी असली रोग यही है। गहलोत इस रोग से मुक्त हैं। वे खुद-मुख्तार हैं। जमीनी नेता हैं। विनम्र और मिलनसार हैं। वे नए और पुराने सभी कांग्रेसियों को जोड़ने में सफल हो सकते हैं लेकिन असली सवाल यह है कि प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनी इस कांग्रेस में उनकी हैसियत क्या होगी? यदि उनकी हैसियत सिर्फ एक मुनीम की होगी, मालिक की नहीं तो वे रबर का ठप्पा बनकर रह जाएंगे। कांग्रेस की हालत आज जो है, उससे भी बदतर होती चली जाएगी। जहां तक चौधरी देवीलाल के जन्म दिन पर देश के विपक्षी दलों के एक होने का प्रश्न है, उसके मार्ग में कई रोड़े हैं। पहला तो यह कि विपक्ष का एकछत्र नेता कौन बनेगा? क्या कांग्रेस किसी अन्य को अपना नेता मान लेगी? दूसरा, विपक्ष के पास मुद्दा क्या है? सिर्फ मोदी हटाओ। मोदी ने क्या आपात्काल जैसी कोई भयंकर भूल कर दी है या पिछली कांग्रेस सरकार की तरह वह भ्रष्टाचार में डूब गई है? तीसरा, हमारे विपक्ष के पास नेता तो है ही नहीं, उसके पास कोई वैकल्पिक नीति भी नहीं है। कोई नक्शा या सपना भी नहीं है। अगले चुनाव के पहले यदि मोदी से कोई भयंकर भूल हो जाए तो और बात है, वरना 2014 में भी मोदी के लिए कोई गंभीर चुनौती आज तो दिखाई नहीं पड़ रही।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

मेहमान 'आपका घर तो अच्छा-खासा चिड़ियाघर लगता है।'

राहुल 'यह तो आपकी मेहरबानी हैं, सारी रौनक तो आपके आने से हुई है।'

□ □ □

जनगणना पार्टी गांव में गई। उन्होंने गांव के मुखिया से पूछा, 'आपके गांव में पुरूषों और स्त्रियों की मत्यु-दर क्या है?'

मुखिया बोला, 'हजूर शत-प्रतिशत।'

अफसर हैरान होकर बोला, 'वह कैसे?'

मुखिया, 'हजूर हमारे गांव में जो भी पैदा होता है एक न एक दिन मरता जरूर है।'

□ □ □

एक बादशाह का जनाजा बडी शान से उठा। हजारों लोगों की भीड़ साथ थी। बादशाह का एक चमचा चिल्ला उठा, 'हजूर आप जिंदा होते तो अपने जनाजे की शान देख कर कितना खुश होते।'

□ □ □

दो मूर्ख एक म्यूजियम देखने चले गए। वहां एक ममी रखी थी। उस पर बोर्ड लगा था, 'बी.सी.186।'

पहला मूर्ख बोला, 'लगता है बेचारा किसी ट्रक के नीचे आकर मरा है।

दूसरा बोला, 'ठीक कहते हो। तभी तो ट्रक का नम्बर भी लिख कर टांग दिया है।'

"शक्ति की उपासना का मंगल पर्व शारदीय नवरात्र"

लेखक- डॉ अशोक कुमार भार्गव

यह धरोहर मानवीय मूल्यों की प्रेरक शक्ति है जो असत्य पर सत्य की और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक होती है। शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र आत्म संयमी साधकों को आध्यात्मिक प्रेरणा देने की शक्ति का पर्व समूह है। ऋग्वेद के दसवें मंडल में एक पूरा सूक्त शक्ति की आराधना पर आधारित है, जिसमें शक्ति की भव्यता का दुर्लभ स्वरूप मुखरित हुआ है। 'मैं ही ब्रह्म के दोषियों को मारने के लिए रुद्र का धनुष चलाती हूं। मैं ही सेनाओं को मैदान में लाकर खड़ा करती हूं। मैं ही आकाश और पृथ्वी में सर्वत्र व्याप्त हूं। मैं ही संपूर्ण जगत की अधिकारी हूं। मैं पारब्रह्म को अपने से अभिन्न रूप में जानने वाले पूजनीय देवताओं में प्रधान हूं। संपूर्ण भूतों में मेरा प्रवेश है।'

(प्रसंग शारदीय नवरात्र पर विशेष आलेख)

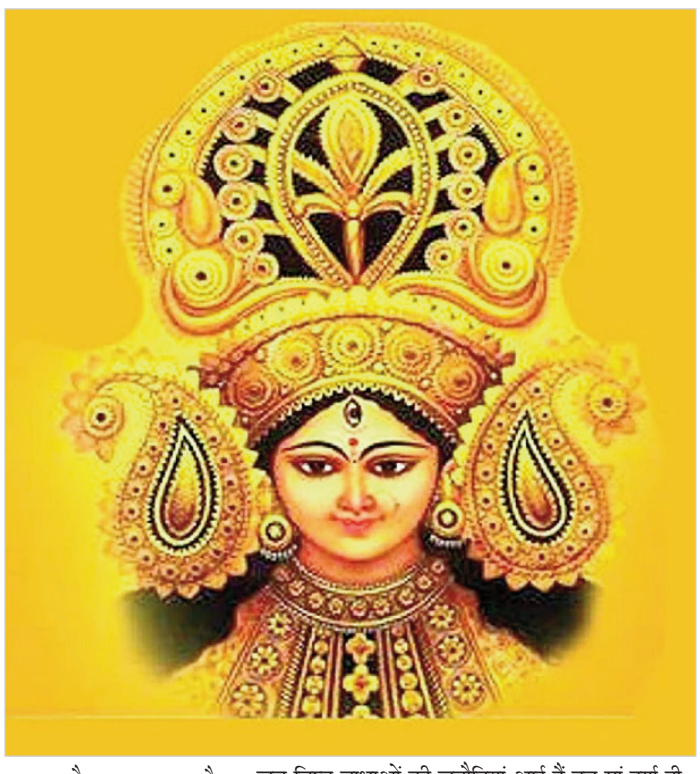

भारत की सांस्कृतिक चेतना के भव्य और विराट स्वरूप की अभिव्यक्ति हमारे पर्व और त्योहार हैं जो राष्ट्रीय हर्ष, उल्लास, उमंग और उत्साह के प्रतीक हैं। ये देश काल और परिस्थिति के अनुसार अपने रंग-रूप आकार में भिन्न भिन्न हो सकते हैं और उन्हें व्यक्त करने के तरीके भी भिन्न भिन्न हो सकते हैं किंतु उनका सरोकार अंततः मानवीय कल्याण, सुख और आनंद की उपलब्धि अथवा किसी आस्था, विश्वास, परम्परा या संस्कार का संरक्षण ही होता है। इस दृष्टि से भारतीय चिंतन अनेक संदर्भों, प्रसंगों, द्रष्टांतों और प्रेरक कथाओं से समृद्ध है जिनमें हमारी संस्कृति के सौम्य तत्वों की धरोहर विद्यमान है। यह धरोहर मानवीय मूल्यों की प्रेरक शक्ति है जो असत्य पर सत्य की और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक होती है। शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र आत्म संयमी साधकों को आध्यात्मिक प्रेरणा देने की शक्ति का पर्व समूह है। ऋग्वेद के दसवें मंडल में एक पूरा सूक्त शक्ति की आराधना पर आधारित है, जिसमें शक्ति की भव्यता का दुर्लभ स्वरूप मुखरित हुआ है। 'मैं ही ब्रह्म के दोषियों को मारने के लिए रुद्र का धनुष चलाती हूं। मैं ही सेनाओं को मैदान में लाकर खड़ा करती हूं। मैं ही आकाश और पृथ्वी में सर्वत्र व्याप्त हूं। मैं ही संपूर्ण जगत की अधिकारी हूं। मैं पारब्रह्म के दोषियों को मारने के लिए रुद्र का धनुष चलाती हूं। मैं ही सेनाओं को मैदान में लाकर खड़ा करती हूं। मैं ही आकाश और पृथ्वी में सर्वत्र व्याप्त हूं। मैं ही संपूर्ण जगत की अधिकारी हूं। मैं पारब्रह्म को अपने से अभिन्न रूप में जानने वाले पूजनीय देवताओं में प्रधान हूं। संपूर्ण भूतों में मेरा प्रवेश है। वस्तुतः साधना का आधार आत्म संयम ही है। मन वचन और कर्म की पवित्रता से ओतप्रोत भक्ति भाव शक्ति की उपासना को सार्थक और फलदायी बनाता है। सनातन हिन्दू धर्म में परमेश्वर की तीन महा शक्तियों यथा महाकाली, महालक्ष्मी तथा महासरस्वती की अर्चना और आराधना आदिकाल से ही चली आ रही है। किसी भी राष्ट्र की सर्वतोमुखी प्रगति के लिए केवल शास्त्र बल ही नहीं वरन शस्त्र और धन बल भी परम आवश्यक है। इसीलिए हम विद्या बुद्धि के लिए ज्ञान की अधिष्ठात्री मां सरस्वती की समर्चना करते हैं तो शक्ति, साहस, शौर्य और पराक्रम के लिए आदि शक्ति मां दुर्गा की अर्चना तो वहीं सुख संपत्ति और ऐश्वर्य के लिए महालक्ष्मी की आराधना करते हैं। मार्कंडेय पुराण का देवी महात्म्य खंड 'दुर्गा सप्तशती' के नाम से जाना जाता है। इसमें मां दुर्गा के तीन चरित्र वर्णित हैं। त्रिगुणात्मक शक्ति के प्रतीक रूप में सत्वगुणात्मिक शक्ति सरस्वती, रजोगुणात्मिका शक्ति के रूप में महालक्ष्मी तथा तमोगुणात्मिकता शक्ति के रूप में महाकाली। तीनों चरित्रों से संबंधित तीन महान शौर्य गाथाएं हैं। प्रथम चरित्र में मधु और कैटभ नामक राक्षसों के वध का विस्तृत वर्णन है। मध्यम चरित्र में कुख्यात संत्रासक महिषासुर के विनाश की रोमांचकारी घटना है और अंतिम चरित्र में आततायी राक्षस शुंभ तथा निशुंभ के समग्र विनाश की रौद्र कथा चित्रित है। नवरात्र की प्रतिपदा के पवित्र दिवस पर घट स्थापना कर सात प्रकार की मिट्टियों से भरे हुए पात्र में शुद्ध जल के साथ जो बोई जाती है जो पल्लवित होकर पवित्र ज्वारे का रूप धारण करती है। पंच पल्लव और पंचरत्न मिलाकर स्थापित घट या कलश के समीप ही मां दुर्गा की उज्जवल छवि वाली अप्रतिम सौंदर्य की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाती है और नवरात्र में नवदुर्गा के नौ स्वरूपों की यथा शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री के रूप में भक्ति भाव से अर्चना की जाती है। नवरात्रि में मां दुर्गा अर्थात दुखेन गम्यते प्राप्यते वा, की उपासना का विशिष्ट महत्व और अनूठा रहस्य है। हम यदि मां की अर्चना, आराधना, पूजा पाठ, मेवा मिष्ठान्न, आभूषण, परिधान आदि समर्पण से ही तृप्त हो जाएं तो हम उपासना के मूल मंतव्य और मर्म को सही अर्थों में समझ नहीं पाएंगे। वस्तुतः मां दुर्गा की विराट प्रतिमा संपूर्ण राष्ट्र का प्रतीक है। राष्ट्र का समग्र शारीरिक बल, संपदा बल और ज्ञान बल अदम्य पराक्रमी सिंह के समान ही है। शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा का यह मुखर स्वरूप राष्ट्र भारती के रूप में प्रकट होता है। यद्यपि राष्ट्र को शास्त्र,शस्त्र और धन तीनों अवश्य चाहिए किंतु बुद्धि और विवेक के बिना यह तीनों बल निरर्थक ही नहीं वरन पूर्णतः विनाशक और संहारक भी होते हैं। इसीलिए इनके साथ बुद्धि विनायक महाकाय श्री गणेश भी रहते हैं जिनकी नीर क्षीर विवेक द्रष्टि के समक्ष विघ्न बाधाओं के, चुनौतियों के तूफान नत मस्तक हो जाते हैं। अपने भव्य स्वरूप में चहुंओर फैली हुई आदि शक्ति की दसों भुजाओं के अस्त्र-शस्त्र महान अपराजेय राष्ट्र की अमित शक्ति की ओर संकेत करते है। संसार में ऐसा कोई भी व्यक्ति अथवा राष्ट्र नहीं है जिसका कोई विरोधी अथवा गुप्त शत्रु न हो।अतः शक्ति की उपासना और कुछ नहीं वरन महिमामयी अखंड मां भारती की शक्ति की ही उपासना है। जिस प्रकार वेद अनादि हैं उसी प्रकार दुर्गा सप्तशती भी अनादि है। इसमें वर्णित मधुकैटभ, महिषासुर और शुंभ, निशुंभ जैसी आसुरी शक्तियां महामोह, महामाया, महाअविद्या, अन्याय, आतंक, शोषण, अनाचार, विध्वंस और सर्वनाश की प्रतीक हैं। यदि मानसिक विकारों, चिंताओं और संकटों से मुक्त सुखद, समृद्ध, यशस्वी, आनंदमय स्वस्थ जीवन चाहते हैं तो हमें मां दुर्गा का आराधन निर्मल भक्ति भाव से सुनिश्चित करना चाहिए। सुरथ रूपी कर्म और एकाग्रता रूपी समाधि के समक्ष जब-जब विघ्न बाधाओं की चुनौतियां आई हैं तब मां दुर्गा ही उनके विनाश का कारक सिद्ध हुई है। निसंदेह मन के धरातल पर मां दुर्गा की उपासना से हम महारोग,महासंकट,महादुख, महाशोक और महोत्पात से मुक्त हो जीवन को धन्य और मंगल बना सकते हैं। भारत की सांस्कृतिक चेतना प्रारंभ से ही मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा, सम्मान,अर्चन और वंदन के भाव से समर्पित रही है। और इसीलिए हम सभी नवरात्रि में अपने अपने मनोरथ सिद्धि के लिए विद्या, लक्ष्मी और शक्ति की उपासना करते हैं। यह अद्भुत परंपरा संसार में अन्यत्र कहीं भी वर्तमान नहीं है। वहीं दूसरी ओर हम बड़े ही श्रद्धा और आस्था के भाव से नवमी के दिन कन्याओं को रोली का तिलक लगाकर, हाथ में मौली बांधकर और उपहार भेंट सहित उनका पूजन भी करते हैं। यह संस्कार भी संसार के किसी भी देश या समाज में नहीं है। किंतु हमारे देश में कन्या भ्रूण हत्या तथा महिलाओं के प्रति बढते जघन्य अपराध हमारी दूषित मानसिकता के विरोधाभास की पराकाष्ठा है। विख्यात बांग्ला लेखक शरतचंद्र ने कहा था ÷ मानव की मौत देखकर इतना दुख नहीं होता जितना मानवता की मौत पर।÷ निसंदेह मातृशक्ति के प्रति हमारी नकारात्मक सोच और कन्या भ्रूण हत्या मानवता की मौत से कम नहीं है। आजादी के अमृत काल में शारदीय नवरात्र का सबसे बड़ा संकल्प यही है कि हम मातृशक्ति और बेटियों के प्रति सम्मान तथा पूजन के पवित्र संस्कार को सही अर्थों में कार्य रूप में परिणित कर आदि शक्ति की सच्ची उपासना करें क्योंकि मातृशक्ति और बेटियों की वास्तविक आजादी के बिना हमारी आजादी अधूरी है।

डॉ अशोक कुमार भार्गव आईएएस (लेखक मप्र के पूर्व आईएएस अधिकारी हैं)

(26 सितम्बर जयंती पर विशेष)

नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे ईश्वर चंद्र विद्यासागर

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

एक गरीब परिवार में जन्मे ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने स्ट्रीट लाइट की रोशनी में कैसे अपनी पढ़ाई की और कैसे बंगाल पुनर्जारण के प्रमुख स्तंभ बन गए, यह लगभग हर किसी ने पाठ्य पुस्तकों में पढ़ा होगा लेकिन फिर भी अधिकांश व्यक्ति उनके बारे में ज्यादा नहीं जानते। 26 सितम्बर 1820 को पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में धार्मिक प्रवृत्ति के एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे ईश्वर चंद्र विद्यासागर का बचपन का नाम ईश्वर चंद्र बंदोपाध्याय था। महान् समाज सुधारक, दार्शनिक, शिक्षाविद्, तथा स्वतंत्रता सेनानी ईश्वर चंद्र गांव के स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा के पश्चात् अपने पिता के साथ कोलकाता आ गए थे। वे बहुत मेधावी छात्र थे, जिसके चलते उन्हें कोलकाता में कई संस्थानों से छात्रवृत्तियां मिली। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान ही वे संस्कृत भाषा और दर्शन के विद्वान माने जाने लगे, इसीलिए उन्हें विद्यार्थी जीवन में ही संस्कृत कॉलेज ने 'विद्यासागर' (विद्या का सागर) की उपाधि प्रदान की। इस तरह वे ईश्वर चंद्र बंदोपाध्याय से ईश्वर चंद्र विद्यासागर बन गए। 1839 में कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने दो वर्ष बाद फोर्ट विलियम कॉलेज में संस्कृत विभाग के प्रमुख के तौर पर कार्यभार संभाला। पांच वर्षों तक यहां अपनी सेवाएं देने के पश्चात् उन्होंने संस्कृत कॉलेज में सहायक सचिव के तौर पर जिम्मेदारी संभाली और शिक्षा पद्धति में सुधार लाने के लिए प्रयास शुरू कर दिए। कुछ मतभेदों के कारण उन्हें यह कॉलेज छोड़ने पर विवश होना पड़ा। 1849 में उन्होंने साहित्य के प्रोफेसर के रूप में इसी कॉलेज में पुनः वापसी की और कुछ ही समय बाद इसी कॉलेज के प्रिंसिपल बनने पर उन्होंने कॉलेज के दरवाजे सभी जातियों के बच्चों के लिए खोल दिए तथा संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए। उनका मानना था कि अंग्रेजी और संस्कृत भाषा के ज्ञान का समन्वय करके ही भारतीय तथा पाश्चात्य परम्पराओं का श्रेष्ठ ज्ञान हासिल किया जा सकता है। ईश्वर चंद्र नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। उनके अथक प्रयासों से ही कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई। स्थानीय बांग्ला भाषा तथा लड़कियों की शिक्षा के लिए उन्होंने स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की। स्कूलों के खर्च के लिए वे विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए बंगाली में लिखी गई किताबों की बिक्री से फंड जुटाते थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए वे एक बार अयोध्या के नवाब के पास गए, जो अपनी निर्दयता और कंजूसियत के लिए विख्यात था। जब उन्होंने विश्वविद्यालय के लिए नवाब से दान देने का आग्रह किया तो नवाब ने उनके थैले में अपना जूता डाल दिया। शांतचित्त विद्यासागर चुपचाप वहां से चले आए और अगले ही दिन नवाब के महल के सामने उसी जूते की नीलामी का कार्यक्रम आयोजित कर डाला। जूते की एक हजार रुपये में नीलामी हो गई। यह जानकर नवाब खुश हुआ और उसने विश्वविद्यालय के लिए एक हजार रुपये की राशि दान में दे दी। बंगाली की कई वर्णमालाओं में संशोधन कर उसे सरल तथा आधुनिक बनाने में अमिट योगदान के कारण उन्हें 'आधुनिक बंगाली भाषा का जनक' भी माना जाता है। 1848 में उन्होंने बांग्ला भाषा की अपनी प्रथम गद्य रचना 'वैताल पंचविंशति' का प्रकाशन किया। संस्करण व्याकरण के नियमों पर भी किताब लिखी। वर्णमाला के अलावा महाकवि कालिदास के शकुंतला नाटक सहित कई पुस्तकों का संस्कृत से बंगाली में अनुवाद भी किया। बांग्ला लिपि की वर्णमाला को सरल व तर्कसम्मत बनाने के अलावा उन्होंने बांग्ला पढ़ाने के लिए सैंकड़ों विद्यालयों और रात्रि पाठशालाओं की स्थापना की। समाज सुधार कार्यों की बदौलत ही उन्हें जीवन पर्यन्त गरीबों और दलितों का संरक्षक माना जाता रहा। इन्हीं कार्यों के चलते समाज सुधारक के रूप में उन्हें राजा राममोहन राय का उत्तराधिकारी भी माना जाता है। अपने क्रियाकलापों से उन्होंने लोगों को सदैव स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की सीख दी। एक बार उन्हें इंग्लैंड में एक सभा की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया गया। नियत समय पर सभास्थल पहुंचने पर उन्होंने देखा कि लोग सभा भवन के बाहर घूम रहे हैं। पूछने पर पता चला कि अभी तक सफाईकर्मी के नहीं आने के कारण सभास्थल की सफाई नहीं हो सकी है। यह जानकर विद्यासागर झाड़ू उठाकर स्वयं सफाई में जुट गए। उन्हें ऐसा करते देख वहां उपस्थित लोगों को शर्मिन्दगी का अहसास हुआ और सभी सफाई कार्य में जुट गए। इस तरह देखते ही देखते चंद मिनटों में ही सभास्थल साफ हो गया। वास्तव में वे एक ऐसी महान् शख्सियत थे, जिन्होंने न केवल नारी शिक्षा के लिए व्यापक जनान्दोलन खड़ा किया बल्कि उन्हीं के अनथक प्रयासों तथा दृढ़संकल्प के चलते ही अंग्रेज 26 जुलाई 1856 को विधवा पुनर्विवाह कानून पारित करने को विवश हुए थे और विधवाओं को समाज में नए सिरे से जीवन की शुरूआत कर सस्मान जीने का अधिकार मिला। वे कथनी के बजाय करनी में विश्वास करते थे, जिसका जीता जागता प्रमाण उन्होंने अपने बेटे इकलौते बेटे नारायण की शादी एक विधवा से कराकर सारे समाज को दिया था। 29 जुलाई 1891 को यह महान् शख्सियत चिरनिद्रा में लीन हो गई।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं)

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है। पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी शुरू की वॉट्सऐप बैंकिंग सुविधा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक ऑफ बड़ौदा भी वॉट्सऐप बैंकिंग की सुविधा दे रहा है। आप बैंक ऑफ बड़ौदा के वॉट्सऐप नंबर पर चैट के जरिए बैंक बैलेंस और मिनी स्टेटमेंट की जानकारी समेत कई सर्विस का फायदा उठा सकते हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा की वॉट्सऐप बैंकिंग सेवा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में उपलब्ध है। बैंक के ग्राहक घर बैठे केवल अपने वॉट्सऐप बैंकिंग के जरिए अकाउंट बैलेंस की जांच के अलावा, मिनी स्टेटमेंट, डेबिट कार्ड ब्लॉक करने, चेकबुक आदि के लिए रिक्वेस्ट कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले 8433888777 नंबर के अपने मोबाइल में सेव करें। इसके बाद इस नंबर पर एचआई भेजें। बैंक ऑफ बड़ौदा अपने आप से उपलब्ध सर्विस की लिस्ट आपके सामने रखेगा। अब लिस्ट से आवश्यक सर्विस का कीवर्ड टाइप करें और उस पर क्लिक करके उपयोग कर सकते हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा की वॉट्सऐप बैंकिंग के साथ का आप 24 घंटे फायदा ले सकते हैं।

जुपिटर स्कूटर का नया वेरिएंट लॉन्च

- कीमत भी कम और शानदार हैं फीचर्स

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी टीवीएस मोटर ने जुपिटर स्कूटर का नया वेरिएंट लॉन्च किया है। नए स्कूटर को जुपिटर क्लासिक नाम दिया गया है। यह नया टॉप-स्पेक वर्जन है। टीवीएस जुपिटर क्लासिक की कीमत 85,866 रुपये एक्स शोरूम है। टीवीएस जुपीटर का मुकाबला होंडा एक्टिवा, हीरो प्लीजर प्लस और हीरो मेस्ट्रो इग्ज 110 से है।कंपनी ने जूपिटर क्लासिक में कुछ कॉस्मेटिक बदलाव किए हैं। टीवीएस ने 50 लाख टू-व्हीलर की बिक्री का जश्न मनाने के लिए जुपिटर क्लासिक लॉन्च किया है। यह 109.7 सीसी सिंगल-सिलेंडर इंजन के साथ आता है, जिसमें फ्यूल इंजेक्टर का इस्तेमाल किया गया है। यह 7.47 पीएस की मैक्सिमम पावर और 8.4 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है।कॉस्मेटिक बदलावों में इसके फेंडर गार्निश में एक ब्लैक थीम, 3डी लोगो और मिरर हाइलाइट्स शामिल हैं। एक नया वाइजर भी है और हैंडलबार भी बिल्कुल नए हैं। इसमें डायमंड-कट अलॉय व्हील्स हैं और इनर पैनल्स को गहरे ग्रे कलर में फिनिश किया गया है। सीट अब प्रीमियम साबर लेदरेट में रखा गया है और पीछे की सीट को सपोर्ट के लिए बैकरेस्ट भी मिलता है।जुपिटर क्लासिक को दो कलर ऑप्शन में बेचा जाएगा। इसमें मिस्टिक ग्रे और रीगल पर्पल शामिल है। फीचर्स के बात करें तो इसमें ऑल-इन-वन लॉक, इंजन किल स्विच और मोबाइल चार्ज करने के लिए एक यूएसबी चार्जर है। इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर यह भी दिखाता है कि स्कूटर ईको मोड में चल रहा है या पावर मोड में। जुपिटर क्लासिक में एलईडी हेडलैंप, साइड स्टैंड इंडिकेटर, इलेक्ट्रिक स्टार्टर, लो फ्यूल वार्निंग, फ्रंट यूटिलिटी बॉक्स, 21 लीटर बूट स्पेस, रिट्रैक्टेबल हुक बैग्स और एक एक्सटर्नल फ्यूल फिलर है।जुपिटर क्लासिक में आगे और पीछे डिस्क ब्रेक देखने को मिल जाते हैं। इसमें ट्यूबलेस टायर भी मिलते हैं।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के लिए साझेदारी करेंगे पिरामल, ज्यूरिख

मुंबई: पिरामल फाइनेंशियल और ज्यूरिख इंश्योरेंस, जिन्होंने रिलायंस कैपिटल के सामान्य बीमा कारोबार के लिए अलग-अलग बोलियां जमा की हैं, ने रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के लिए बोली लगाने के लिए एक समान साझेदारी बनाने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, प्रस्तावित संयुक्त उद्यम कंपनी में पिरामल और ज्यूरिख दोनों की 50-50 फीसदी हिस्सेदारी होगी। यदि यह प्रस्तावित संयुक्त उद्यम आरजीआईसी के लिए सफल समाधान आवेदक के रूप में उभरने में सफल हो जाता है, तो यह भारत के सामान्य बीमा व्यवसाय में ज्यूरिख बीमा के प्रवेश का प्रतीक होगा। अगस्त के अंत में प्रस्तुत स्वतंत्र बोलियों में, पिरामल ने रिलायंस कैपिटल के सामान्य बीमा कारोबार का मूल्यांकन 3,600 करोड़ रुपये किया था, जबकि ज्यूरिख ने इसके लिए 3,700 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। तीसरी बोली लगाने वाले, एडवेंट ने आरजीआईसी के लिए 7,000 करोड़ रुपये की समाधान योजना प्रस्तुत की थी। साझेदारी करके, ज्यूरिख और पिरामल एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे, और इस प्रकार आरजीआईसी के लिए, यह एडवेंट और ज्यूरिख-पिरामल कंसोर्टियम के बीच केवल दो घोड़ों की दौड़ होगी।

भारत-यूएई संबंधों को बढ़ावा देने इंटरनेशनल बिजनेस समिट

नई दिल्ली

भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापार और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए, ऑब्जर्वर डॉन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पत्रिका और ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (बीईसीआईएल) ने शेख मोहम्मद बिन अहमद बिन हमदान बिन मोहम्मद अल नाहयान के संरक्षण में दुबई के सबसे खूबसूरत होटल अटलांटिस-द पाम में इंटरनेशनल बिजनेस समिट और अवार्ड्स का आयोजन किया। जिसमें दोनों देशों के बिजनेस टाइकून और प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। महासचिव जनता दल (यू) पूर्व सांसद केसी त्यागी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे. वहीं अहमद एलमेटवाली जो शेख मोहम्मद बिन अहमद बिन हमदान बिन मोहम्मद अल नाहयान कार्यालय के सीईओ हैं अति विशिष्ट अतिथि थे।

कार्यक्रम में अन्य प्रमुख अतिथियों में एफटीआईआई के पूर्व अध्यक्ष, फिल्म अभिनेता और पंडित लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी के कुलपति गजेंद्र चौहान, डॉ हरिओम त्यागी, ग्रुप एडिटर, ऑब्जर्वर डॉन मीडिया ग्रुप एवं बू अब्दुल्ला, चेयरमैन, बू अब्दुल्ला ग्रुप आदि शामिल थे। कार्यक्रम के

दौरान भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापार विकास पर भी चर्चा का आयोजन किया गया। यह दुबई में आयोजित 'एक तरह का' बिजनेस कॉन्क्लेव था। अतिथियों ने विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार के मूलभूत बिंदुओं पर विचार मंथन किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य भारत और संयुक्त अरब अमीरात के व्यवसायियों में अधिक से अधिक सहयोग पर बल देना, एक दूसरे के विचारों का आदान-प्रदान करना व निवेशकों और निवेश के इच्छुक संस्थाओं के लिए एक साझा मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम में भारत एवं संयुक्त अरब अमीरात के बीच किस तरह से व्यापार आसानी से किया जा सकता है.इस पर भी चर्चा हुई, प्रमुख चुनौतियों का समाधान प्रदान करने के लिए सुझाव दिए गया।

बीते पांच साल में 34 प्रतिशत बढ़ा रक्षा निर्यात?, सरकार ने बताई हकीकत

नई दिल्ली: भारत से रक्षा उत्पादों का निर्यात बीते पांच वर्षों में 334 फीसदी बढ़ गया है और समन्वित प्रयासों के बल पर देश अब 75 से अधिक देशों को रक्षा निर्यात कर रहा है। सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने एक ट्वीट में कहा, ''दूसरे सबसे बड़े सशस्त्र बल वाले भारत का रक्षा क्षेत्र क्रांति के कगार पर है। बीते पांच वर्षों में भारत का रक्षा निर्यात 334 फीसदी बढ़ गया है। समन्वित प्रयासों के बल पर अब भारत 75 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा है। पीआईबी इंडिया के ट्विटर हैंडल पर इस ट्वीट के साथ एक पोस्टर भी साझा किया गया जिसमें कुछ आंकड़े प्रस्तुत किया गए हैं। इस पोस्टर में रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण एवं उत्पादन में वृद्धि की जानकारी दी गई है। इसमें यह भी बताया गया है कि भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को सेवा में उतारा गया है। रक्षा सचिव अजय कुमार ने कुछ दिनों पहले एक कार्यक्रम में कहा था कि 'मेक इन इंडिया' पहल की ताकत का इस्तेमाल रक्षा क्षेत्र में करने के प्रयास किए जा रहे हैं और अमृत काल की कल्पना देश को रक्षा उत्पादन के मामले में वैश्विक स्तर पर शीर्ष पांच देशों के बीच देखने की है।

(शेयर बाजार समीक्षा) आरबीआई की मौद्रिक नीति पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई । बेकाबू महंगाई को नियंत्रित करने के लिए दुनिया के कई केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर बढ़ाने से वैश्विक बाजार के कोहराम के दबाव में बीते सप्ताह 1.26 प्रतिशत तक गिरे सेंसेक्स और निफ्टी में इस सप्ताह वैश्विक रुख और रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समीक्षा पर निवेशकों की नजर रहेगी। विश्लेषकों के अनुसार आसमान छू रही महंगाई पर लगाम लगाने के लिए बीते सप्ताह अमेरिका, ब्रिटेन, स्वीडन, स्वीट्जरलैंड एवं नॉर्वे के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दर में बढ़ोतरी कर दी है। इससे हतोत्साहित निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में कोहराम मच गया। वहीं दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में तेजी से रुपया अबतक के रिकॉर्ड निचले स्तर 81 रुपए प्रति डॉलर के पार तक लुढ़क गया। इससे घरेलू शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने जमकर बिकवाली की। बीते सप्ताह एफआईआई बाजार में 4361.77 करोड़ रुपए की बिकवाली कर चुके हैं। इसका असर अगले सप्ताह भी बाजार पर जारी रहेगा। इस परिदृश्य में अगले सप्ताह आरबीआई की होने वाली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है। साथ ही अगले सप्ताह सितंबर का मासिक वायदा सौदा निपटान भी होना है। इस परिस्थिति में बाजार में उठापटक रह सकती है। ऐसे में छोटे निवेशकों को सतर्कता बरतने की सलाह है।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की दस प्रमुख कंप नियों में से 7 का बाजार पूंजीकरण 1.34 लाख करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही

मुंबई ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1,34,139.14 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 741.87 अंक के नुकसान में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, बजाज फाइनेंस और आईटीसी को छोड़कर प्रमुख 10 की सूची की अन्य कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 40,558.31 करोड़ रुपए घटकर 16,50,307.10 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 25,544.89 करोड़ रुपए घटकर 8,05,694.57 करोड़ रुपए, अडानी ट्रांसमिशन का बाजार मूल्यांकन 24,630.08 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 4,31,662.20 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का 18,147.49 करोड़ रुपए टूटकर 6,14,962.99 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 9,950.94 करोड़ रुपए घटकर 4,91,255.25 करोड़ रुपए, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 9,458.65 करोड़ रुपए घटकर 10,91,421.84 करोड़ रुपए और इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन में 5,848.78 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 5,74,463.54 करोड़ रुपए रह गया। इस रुख के विपरीत हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 35,467.08 करोड़ रुपए बढ़कर 6,29,525.99 करोड़ रुपए, आईटीसी की बाजार हैसियत 20,381.61 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,29,198.61 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 13,128.73 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 4,54,477.56 करोड़ रुपए रहा। दस प्रमुख कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, अडाणी ट्रांसमिशन और आईटीसी का स्थान रहा।

प्राकृतिक गैस की कीमत में हो सकती है रिकॉर्ड बढ़ोतरी

- गैस की कीमतों में संशोधन एक अक्टूबर को करेगी सरकार

नई दिल्ली । प्राकृतिक गैस की कीमत इस सप्ताह में होने वाली समीक्षा के बाद रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच सकती है। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बिजली उत्पादन, उर्वरक और वाहनों के लिए सीएनजी उत्पादन में होता है। देश में उत्पादित गैस की कीमत सरकार तय करती है। सरकार को गैस कीमतों में अगला संशोधन एक अक्टूबर को करना है। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के पुराने क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिए भुगतान की जाने वाली दर 6.1 डॉलर प्रति इकाई (मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट) से बढ़कर नौ डॉलर प्रति इकाई पर पहुंच सकती है। यह नियमन वाले क्षेत्रों के लिए अब तक की सबसे ऊंची दर होगी। बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के बीच यह अप्रैल, 2019 से प्राकृतिक गैस कीमतों में तीसरी वृद्धि होगी। सरकार प्रत्येक छह महीने में गैस के दाम तय करती है। यह कीमत अमेरिका, कनाडा और रूस जैसे गैस अधिशेष वाले देशों की पिछले एक साल की दरों के आधार पर एक तिमाही के अंतराल के हिसाब से तय की जाती है। ऐसे में एक अक्टूबर से 31 मार्च, 2023 तक के लिए गैस का दाम जुलाई, 2021 से जून, 2022 की कीमत के आधार पर तय किया जाएगा। उस समय गैस कीमतें ऊंचाई पर थीं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित प्राकृतिक गैस के मूल्य की समीक्षा का फॉर्मूला तय करने के लिए एक समिति गे ठित की थी। समिति के समक्ष यह मुद्दा लंबित होने की वजह से यह व्यावहारिक वजह होगी कि एक अक्टूबर को गैस के दामों में संशोधन नहीं किया जाए। पेट्रोलियम मंत्रालय के एक आदेश के अनुसार,

योजना आयोग के पूर्व सदस्य किरीट एस पारेख की अध्यक्षता वाली समिति को अंतिम उपभोक्ता के लिए गैस के उचित मूल्य का सुझाव देने को कहा गया है। बताया जा रहा है कि इस समिति में गैस उत्पादक संघों और ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधि शामिल हैं। समिति को अपनी रिपोर्ट इस माह के ओ खिर तक देने को कहा गया है, लेकिन इसमें देरी हो सकती है।

एफपीआई ने सितंबर में अब तक शेयरों में 8,600 करोड़ का किया निवेश

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर में अब तक भारतीय शेयरों में 8,600 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इससे पिछले महीने एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 51,000 करोड़ रुपए डाले थे। बाजार के जानकारों का कहना है कि डॉलर में मजबूती के बीच आगे चलकर एफपीआई आक्रामक तरीके से लिवाली नहीं करेंगे। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और वृद्धि की संभावना, मंदी की आशंका, रुपए में गिरावट और रूस-यूक्रेन तनाव बढ़ने से एफपीआई का प्रवाह प्रभावित होगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले अगस्त में एफपीआई ने शेयरों में 51,200 करोड़ रुपए डाले थे। जुलाई में शेयरों में उनका निवेश करीब 5,000 करोड़ रुपए रहा था। लगातार नौ माह तक निकासी के बाद एफपीआई जुलाई में लिवाल बने थे। पिछले साल अक्टूबर से एफपीआई की निकासी का सिलसिला शुरू हुआ था। अक्टूबर, 2021 से जून, 2022 तक उन्होंने 2.46 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। आंकड़ों के अनुसार एक से 23 सितंबर के बीच एफपीआई ने 8,638 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। हालांकि इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजारों में एफपीआई के रुख में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। इस महीने सात कारोबारी दिन उन्होंने बिकवाली की है। पिछले दो कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयर बाजारों से 2,500 करोड़ रुपये की निकासी की है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 393 परियोजनाओं की लागत 4.65 लाख करोड़ बढ़ी

- अगस्त, 2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,60,645.94 करोड़ रुपए हो चुके हैं खर्च

नई दिल्ली ।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 393 परियोजनाओं की लागत 4.65 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत में बढ़ोतरी हुई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की अगस्त, 2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,526 परियोजनाओं में से 393 की लागत बढ़ गई है, जबकि 647 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। इन 1,526 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 21,26,460.93 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब इसके बढ़कर 25,91,823.45 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 4,65,362.52 करोड़ रुपए बढ़ गई है। अगस्त, 2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,60,645.94 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 52.49 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 500 पर आ जाएगी। वैसे रिपोर्ट में 607 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 647 परियोजनाओं में से 132 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 118 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 273 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 124 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 647 परियोजनाओं में हो रही देरी का औसत 41.64 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इनके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिये जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कोविड-19 की वजह से विभिन्न राज्यों में लगाए गए लॉकडाउन से भी परियोजनाओं में देरी हुई है।

मूनलाइटिंग को लेकर एक और उद्योगपति ने कहा- डेटा की सुरक्षा से समझौता करना पाप होगा

विप्रो ने मूनलाइटिंग के आरोप में 300 कर्मचारियों को कंपनी से कर दिया था बाहर

नई दिल्ली ।

मूनलाइटिंग पर मचे घमासान में आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन हर्ष गोयनका भी शो मिल हो गए हैं। उन्होंने विप्रो और स्विगी की तुलना करने वाले लोगों को कहा है कि आप स्विगी और विप्रो की तुलना नहीं कर सकते हैं। विप्रो के क्लाइंट्स फॉर्च्यून 500 कंपनियां हैं जिनके डेटा की सुरक्षा से समझौता पाप होगा। अगर इन कंपनियों को थोड़ा भी संदेह हुआ कि उनके डेटा की सुरक्षा खतरे में है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर यह बात लिखी। गौरतलब है कि हाल में विप्रो ने मूनलाइटिंग के आरोप में 300 कर्मचारियों को कंपनी से निकाल दिया था। इससे पहले विप्रो के चेयरमैन रिशद प्रेमजी ने मूनलाइटिंग को चीटिंग कहा था। केवल विप्रो ही नहीं इन्फोसिस और टीसीएस ने भी मूनलाइटिंग के खिलाफ अपना मत दिया है। इन्फोसिस ने कर्मचारियों को ई-मेल भेजकर यहां तक कहा है कि इस पद्धति को बिलकुल स्वीकार नहीं किया जा सकता है और कोई भी कर्मचारी मूनलाइटिंग करता है तो उसे कंपनी से निकाल दिया जाएगा। हालांकि स्विगी ने अपने कर्मचारियों को मूनलाइटिंग की अनुमति दे दी थी।

आईटी व स्किल डेवलपमेंट मिनिस्टर राजीव चंद्रशेखर ने मूनलाइटिंग के पक्ष में बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि आज का युवा अपने कौशल को लेकर आत्मविश्वास से भरपूर है, जो इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करना चाहता है। कंपनियों को इनके सपनों को बांधने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। कंपनियों का युवाओं को इस तरह रोकने का प्रयास विफल होगा वह भी तब जब इनमें से अधिकांश खुद के स्टार्टअप के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक समय ऐसा भी आएगा जब लोग अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के हिसाब से अपने समय का बंटवारा करेंगे जैसे वकील या सलाहकार करते हैं। जब कोई कर्मचारी अपनी मुख्य जॉब के अलावा किसी और नौकरी को भी अपना समय देता है तो इसे मूनलाइटिंग कहा जाता है। यानी एक नौकरी दिन के उजाले में और दूसरी रात की रोशनी में. यहीं से मूनलाइटिंग शब्द का जन्म हुआ है।

कच्चे तेल में गिरावट के बाद भी पेट्रोल और डीजल की कीमत नहीं हुई कम

क्रूड ऑयल लंबे समय से 100 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी बनी हुई है। क्रूड ऑयल लंबे समय से 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे है। इसके बाद भी भारतीय ऑयल कंपनियों ने रविवार 25 सितंबर को भी पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं किया है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कुछ दिन पहले ही जानकारी दी थी कि तेल कंपनियां अपने पिछले नुकसान की भरपाई करने के लिए अभी पेट्रोल-डीजल के भाव में कटौती नहीं कर रही हैं। बता दें कि अप्रैल में रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध के दौरान कच्चा तेल रिकॉर्ड ऊंचाई पर था जिसकी वजह से राष्ट्रीय तेल कंपनियों को काफी नुकसान हुआ था।

देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली से सटे नोएडा में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर है। गुरुग्राम में पेट्रोल का 97.18 रुपए और डीजल का भाव 90.05 रुपए प्रति लीटर पर है। वहीं लखनऊ में पेट्रोल का भाव 96.57 रुपए और डीजल की कीमत 89.76 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

जेरोधा के सीईओ ने कर्मचारियों से कहा- जो फिटनेस लक्ष्य हासिल करेगा उसे मिलेगा बोनस

रोजना फिटनेस लक्ष्य का 90 फीसदी हासिल करना होगा, कंपनी ने 10 लाख रुपए का एक लकी ड्रा भी रखा

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन ब्रोकिंग फर्म जेरोधा के सह-संस्थापक और सीईओ नितिन कामथ ने अपनी कंपनी के कर्मचारियों के लिए एक नई पहल की है। उन्होंने अपने कर्मचारियों को फिटनेस के लिए रोजाना गोल्स सेट करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि जो कर्मचारी अपने फिटनेस लक्ष्य को हासिल कर लेगा उसे बोनस के रूप में एक महीने का वेतन दिया जाएगा। उन्होंने अपने कर्मचारियों को फिटनेस को लेकर चैलेंज दिया है। कामथ ने फिटनेस ट्रैकर पर अपने कर्मचारियों को रोजाना एक लक्ष्य निर्धारित करने का चैलेंज दिया है। कामथ ने एक लिंक्डइन पोस्ट में कहा है कि हममें से अधिक लोग वर्क फ्रॉम होम में हैं। बैठने और स्मोकिंग की आदत लगातार बढ़ रही है। इसलिए हम अपनी टीम को एक्टिव करने के लिए कुछ कर रहे हैं। फिटनेस ट्रैकर का इस्तेमाल करने वाले लोगों को देखना दिलचस्प होगा।

कामथ के अनुसार एक महीने की बोनस सैलरी पाने के लिए कर्मचारियों को अपने रोजना फिटनेस लक्ष्य का 90 फीसदी हासिल करना होगा। साथ ही इसमें 10 लाख रुपए का एक लकी ड्रा भी रखा गया है। उन्होंने कहा कि जेरोधा में हमारा नया चैलेंज फिटनेस ट्रैकर्स पर डेली टार्गेट सेट करना है।

उन्होंने कहा कि यह एक ऑप्शनल प्रोग्राम है और प्रति दिन कम से कम 350 एक्टिव कैलोरी किसी भी रूप में बर्न होनी चाहिए। कामथ ने एक फिटनेस ऐप का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए अपने पर्सनल अनुभव भी शेयर किए।

Sports

महिला टी20 विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे और थाईलैंड सहित दस टीमें को मिला प्रवेश

अबू धाबी । बांग्लादेश और आयरलैंड ने अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2023 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इन दोनो ही टीमों ने अबू धाबी में खेले गए क्वालीफार में जिम्बाब्वे और थाईलैंड को हराकर विश्वकप के लिए जगह बनायी। इसी के साथ ही उन 10 टीमों के नाम अब तय हो गये हैं। जो अगले साल विश्वकप के इस आठवे संस्करण में शामिल होंगी। मौजूदा चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया और मेजबान दक्षिण अफ्रीका के साथ ही भारत, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और वेस्टइंडीज सहित कुल 8 टीमों ने इस टूर्नामेंट के लिए रैंकिंग के आधार पर पहले ही प्रवेश हासिल कर लिया था जबकि आयरलैंड और बांग्लादेश ने अब अपनी जगह पक्की की है। साल 2020 में अंतिम बार टी20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया में खेला गया था। इसके बाद कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो साल यह टूर्नामेंट नहीं हुआ था।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने झूलन को जीत के साथ विदायी दी

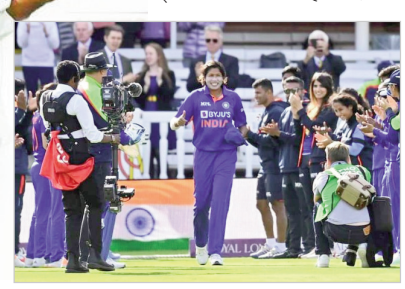

लंदन ।

भारतीय महिला महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में मेजबान इंग्लैंड टीम को हराकर अपनी अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को शानदार विदायी दी है। झूलन ने इस मैच के साथ ही खेल को अलविदा कह दिया। झूलन ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस मैच के बाद संन्यास ले लेंगी। इस तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा के अर्धशतक की सहायता से 169 रन बनाये। इस प्रकार मेजबान इंग्लैंड को जीत के लिए 170 रन का लक्ष्य दिया था। इसका पीछा करते हुए मेजबान टीम 153 रनों पर ही सिमट गयी। अपने अंतिम मैच में झूलन ने 30 रन देकर दो विकेट जबकि रेणुका सिंह ने 29 रन देकर चार विकेट लिए। दीप्ति ने 106 गेंदों में सात चौकों की मदद से 68 रन बनाए इस पहले बल्लेबाजी के दौरान भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मेजबान टीम की गेंदबाज केट क्रॉस ने शुरुआती 4 विकेट लेकर भारत को करारा झटका दिया। केट ने शैफाली वर्मा को और यास्तिका भाटिया को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर को 4 और हरलीन देओल को रनों पर ही आउट कर दिया। इसबीच अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना क्रीज पर जमी रही और उसने अर्धशतक लगाकर टीम को संभाला। मध्यक्रम बल्लेबाज दीप्ति शर्मा ने इसके बाद टीम को संभाला। दीप्ति ने 106 गेंदों में सात चौकों की मदद से नाबाद 68 रन बनाए। दीप्ति के अलावा पूजा वस्त्राकार ने 38 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 22 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने करते हुए मेजबान टीम की शुरुआत सामान्य रही। सलामी बल्लेबाज टेली 8 जबकि इमा लेम्ब 21 रन बनाकर आउ हुई। इन दोनो के पेवेलियन लौटने के बाद मध्य क्रम ढ़ह गया। सोफिया 7, एलिसा 5 और डेनियल व्हाइट 8 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। एमी जोंस ने 28 रन बनाये जबकि सोफिया इस्सेलस्टोन खाता भी नहीं खेल पायीं। गई।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय खेलों को बताया खास

खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में इसी माह 27 सितंबर से शुरु होने वाले राष्ट्रीय खेलों को खास बताते हुए कहा कि वह खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए इस दौरान उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, ''गुजरात में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन एक बड़ा ही खास अवसर है, क्योंकि यह कई साल बाद हो रहा है। कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो साल से ये खेल नहीं हो पाये थे।'' प्रधानमंत्री ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''इस दिन आपका उत्साह बढ़ाने के लिए मैं भी स्टेडियम में उपस्थित रहूंगा।'' 36वें राष्ट्रीय खेल 27 सितंबर से 10 अक्टूबर तक गुजरात में होंगे। इन खेलों का आयोजन छह शहरों-गांधीनगर, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट और भावनगर में किया जाएगा। राष्ट्रीय खेलों के दौरान 36 खेलों की स्पर्धाओं का आयोजन होगा, जिनमें 28 राज्यों और आठ केंद्र-शासित प्रदेशों के प्रतियोगी भाग लेंगे। इस बार रोलर स्केटिंग, सॉफ्टबॉल और सॉफ्ट टेनिस को भी राष्ट्रीय खेलों में शामिल किया गया है जबकि बीच हैंडबॉल, बीच वॉलीबॉल और नौकायन को आयोजन से बाहर कर दिया गया है। दूसरी ओर योगासन और मलखंब को पहली बार इन खेलों में शामिल किया गया है। वहीं साल 2015 में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन केरल में हुआ था। इसमें 33 खेलों की स्पर्धाओं का आयोजन किया गया था। इसके बाद कई अन्य कारणों ये खेल नहीं हो पाये थे।

रोजर फेडरर ने लेवर कप में अपने साथियों को सिखाए गुर

लंदन । रोजर फेडरर ने अपने खेल के करियर को अश्रुपूर्ण विदाई देने के एक दिन बाद दिखाया कि उन्होंने टेनिस को अलविदा नहीं कहा है। लंबे समय तक अपने प्रतिद्वंदी रहे राफेल नडाल के साथ मिलकर लेवर कप का युगल मैच खेलने के बाद संन्यास लेने वाले फेडरर इसके एक दिन बाद शनिवार को कोर्ट के बाहर नजर आए जहां से वह टीम यूरोप के अपने साथियों को टिप्स देते हुए दिखे। इस बीच उन्होंने नोवाक जोकोविच से भी बात की। फेडरर से टिप्स लेने वालों में माटेओ बेरेटिनी भी शामिल थे जो पिछले साल विंबलडन के फाइनल में जोकोविच से हार गए थे। बेरेटिनी ने कहा, 'कल जो कुछ हुआ वह हमेशा मेरे जेहन में बना रहेगा। मैं अगर यहां हूं तो उनकी वजह से हूं। फेडरर ने अभी तक अपनी भविष्य की योजनाओं का खुलासा नहीं किया है लेकिन उन्होंने वादा किया है कि वह खेल से जुदा नहीं होंगे। फेडरर की बेरेटिनी को दी गई सलाह काम आई और वह टीम विश्व के फेलिक्स ऑगर अलियासिम को 7-6 (11), 4-6, 10-7 से हराने में सफल रहे। बेरेटिनी ने कहा, 'फेडरर ने मुझे फोरहैंड और बैकहैंड को लेकर सलाह दी जिसका मुझे फायदा मिला।' टीम विश्व के टेलर फिट्ज ने कैम नोरी को 6-1, 4-6, 10-8 से हराया लेकिन आखिरी मुकाबले में टीम यूरोप के जोकोविच ने फ्रांसिस टियाफो पर 6-1, 6-3 से जीत दर्ज की।

झूलन के संन्यास के साथ ही एक युग का समापन हुआ : गांगुली

जय शाह ने सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक बताया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की सराहना करते हुए कहा कि उनके संन्यास के साथ ही एक एक युग का अंत हो गया है। गांगुली ने 39 वर्षीय झूलन के दो दशक तक चले लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर को यादगार बताते हुए कहा उनकी उपलब्धियां उभरती हुई क्रिकेटरों को प्रेरित करती रहेंगी। तेज गेंदबाज झूलन ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट श्रृंखला के बाद ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। झूलन ने साल 2002 में भारत की ओर से पदार्पण किया था। उन्होंने अपने करियर में 12 टेस्ट, 204 एकदिवसीय और 68 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले हैं। इन सभी में उन्होंने मिलकर कुल मिलाकर 355 विकेट लिए हैं।

गांगुली ने कहा, 'झूलन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा करने के साथ ही एक युग का अंत हो गया। उन्होंने दो दशक तक गर्व के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। उन्होंने पूरी उत्कृष्टता के साथ भारतीय क्रिकेट की सेवा की है।% उन्होंने कहा, 'वह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की अगुआ थी और उनकी उपलब्धियां आने वाली क्रिकेटरों को प्रेरित करती रहेंगी। खेल में उनका योगदान अहम रहा है। मैदान पर उनकी प्रेरणादायी उपस्थिति की कमी हमेशा ही खलेगी। इसके साथ ही वहीं उनकी उपलब्धियां भावी क्रिकेटरों को प्रेरित करती रहेंगी।% झूलन ने अपने करियर में सबसे ज्यादा पांच वनडे विश्वकप (2005, 2009, 2013, 2017 और 2022) में भाग लिया। इसके अलावा वह महिला विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। झूलन के नाम महिला क्रिकेट में 250 से अधिक विकेट हैं। वहीं बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, 'झूलन इस खेल को खेलने वाली सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी ने झूलन को सफल अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बधाई दी

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को सफल अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बधाई दी है। आईसीसी ने कहा कि खेल में इतने लंबे समय तक बने रहना विशेष बात है। आईसीसी ने झूलन को महिला क्रिकेट में विश्व की सबसे सफल गेंदबाजों में से एक बताया है। दो दशक के सफर के बाद झूलन ने गत दिवस इंग्लैंड के खिलाफ हुए तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। झूलन ने अब तक पांच आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप खेले हैं। इसमें साल 2005 और 2017 में टीम फाइनल में पहुंची थी। वहीं आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्योफ एलार्डिस ने उनके लंबे करियर की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें खेल के महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में याद किया जाएगा। अलार्डिस ने कहा, 'झूलन का दो दशकों का लंबा और अविश्वसनीय करियर रहा है, जिसमें सभी प्रारूपों में उन्हें बड़ी सफलताएं मिली है। साथ ही कहा कि एक तेज गेंदबाज के लिए इतने लंबे समय तक खेल में बने रहना आसान नहीं होता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह महिला एकदिवसीय मैचों में विकेट लेने वालों की सूची में सबसे आगे है।' एलार्डिस ने कहा, 'झूलन के करियर के दौरान महिला क्रिकेट के विकास की यात्रा अहम रही। उनके रहने से खेल के लिए प्रति रुझान बढ़ा है। केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व भर में कई युवा प्रतिभाएं उनसे प्रेरित हुए होंगी। आईसीसी की ओर से मैं झूलन को शानदार करियर के लिए बधाई देता हूं।' गौरतलब है कि झूलन ने अपने करियर के दौरान 12 टेस्ट में 44 विकेट, 204 एकदिवसीय मैचों में 255 विकेट और 68 टी-20 में 56 विकेट लिये हैं। वहीं इंग्लैंड क्रिकेट ने भी झूलन की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें देखकर उन्हें नये क्रिकेटरों को प्रेरणा मिलेगी।

यशस्वी , जयदेव के शानदार प्रदर्शन से पश्चिम क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी खिताब जीता

दक्षिण क्षेत्र को 294 रन से हराया

कोयंबटुर ।

पश्चिम क्षेत्र ने दक्षिण क्षेत्र को 294 रन से हराकर दलीप ट्रॉफी खिताब जीत लिया है। पश्चिम क्षेत्र की जीत में यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतक (265) के साथ ही तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के छह विकेटों की अहम भूमिका रही। यशस्वी के दोहरे शतक से पश्चिम क्षेत्र ने दूसरी पारी में 585 रनों का विशाल स्कोर बनाने के साथ ही दक्षिणी क्षेत्र को 528 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए दक्षिणी क्षेत्र की टीम 234 रनों पर ही सिमट गयी। दक्षिणी क्षेत्र की ओर से टी रवि तेजा और रविश्रीनिवासन साई किशोर ने अंतिम दिन अच्छा प्रदर्शन करते हुए स्कोर छह विकेट पर 154 रनों से आगे बढ़ाया। दोनों ने पहले एक घंटे में ही 49 रन बना दिये पर किशोर का विकेट गिरते ही बचे हुए तीन खिलाड़ी भी जल्द ही पेवेलियन लौट गये। दक्षिण के अंतिम बल्लेबाज कृष्णप्पा गौतम को आउट होने ही पश्चिम क्षेत्र को 294 रनों से बड़ी जीत मिल गयी।

रोहन कुन्नुमल 93 के बाद रवि तेजा ने दक्षिणी क्षेत्र की ओर से सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। वहीं साई किशोर ने भी उनका अच्छा साथ दिया।

पांचवें दिन तेजा और यशस्वी के बीच छींटाकसी को लेकर मैदान में विवाद भी हुआ, जिसके बाद पश्चिमी क्षेत्र के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने यशस्वी को मैदान से बाहर कर दिया। इसके बाद पश्चिमी क्षेत्र की टीम ने 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेल आगे बढ़ाया। पश्चिमी क्षेत्र की ओर से शम्स मुलानी ने दूसरी पारी में चार विकेट लिए, जबकि अतीत सेठ को दो विकेट मिले। चिंतन गज ने भी एक विकेट लिया। वहीं पहली पारी में चार विकेट लेने वाले उनादकट ने दो विकेट लिए।

दीप्ति के चार्ली को रन आउट करने के तरीक पर हुआ विवाद

लंदन । इंग्लैंड के खिलाफ यहां लॉर्ड्स मैदान में हुए तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम टीम की दीप्ति शर्मा ने जिस प्रकार स्ट्राइकर एंड पर गेंद फेंककर मेजबान टीम की चार्ली डीन को आउट किया उससे मैदान में विवाद भी हुआ। आउट करार दिये जाते ही चार्ली ने गुस्से में अपना बल्ला फेंक दिया और रोने लगी। चार्ली जब आउट हुई तो वह 47 रनों पर खेल रहीं थीं। दीप्ति के इस रन आउट करने के तरीके को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं मिली हैं। कुछ लोगों ने इसे खेल भावना के विपरीत बताया है जबकि कुछ ने सही करार दिया है। पहले इस तरह के रन आउट को ठीक नहीं माना जाता था पर मार्च में मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने इसे अनफेयर कैटेगेरी से निकालकर रन आउट में डाल दिया और हाल के दिनों में आइसीसी ने भी इसे सही करार देकर है। यह नियम यह 1 अक्टूबर से लागू भी कर दिया जाएगा। इसलिए दीप्ति के इस रन आउट करने के तरीके का पूर्व भारतीय क्रिकेटरों आकाश चोपड़ा और वसीम जाफर ने भी बचाव किया है। चार्ली के आउट होते हुए भारतीय टीम ने यह मैच जीतने के साथ ही सीरीज भी अपने नाम कर ली। इस विवाद से भारतीय टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के विदायी मैच में भी अनावश्यक विवाद पैदा हो गया। झूलन ने अपने इस विदायी मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर दो विकेट लिए। इस के साथ ही उनके कुल एकदिवसीय विकेटों की संख्या 255 तक पहुंच गयी।

झूलन ने कठिन समय में साथ दिया : हरमनप्रीत

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने कठिन समय में भी मेरा साथ दिया था। झूलन के खेल से संन्यास पर हरमनप्रीत ने यह बातें कहीं। भारतीय कप्तान ने इस अवसर पर कहा , 'जब मैंने पदार्पण किया, तब झूलन एक बड़ी खिलाड़ी थीं। मेरे अच्छे दौर में कई लोग साथ थे पर कठिन समय में वही एकमात्र खिलाड़ी थीं, जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया।' भारतीय कप्तान ने साथ ही कहा, 'मैं बस उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं। वह हमेशा हमारे लिए रहेंगी। हम भाग्यशाली हैं कि हमें उसके साथ खेलने का अवसर मिला है। वह मेरे लिए बेहद विशेष इंसान हैं। मैच में कम समय के दौरान मैं हमेशा बात करती थी कि क्या करना है और वह हमेशा मेरा मार्गदर्शन करती थीं।' झूलन ने अपने करियर के दौरान भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज की भूमिका निभाई है।

अब 9 की जगह 5 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया जाएगी भारतीय टीम, कंडीशनिंग के लिए खेलेगी अभ्यास मैच

-बीसीसीआई ने स्वीकार किया कोच राहुल द्रविड का सुझाव

नई दिल्ली । हिटमैन रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम इंडिया की नजरें टी20 वर्ल्ड कप पर लग गई हैं। भारतीय टीम अपनी तैयारियों में किसी तरह की कमी नहीं छोड़ना चाहती। टी20 वर्ल्डकप टूर्नामेंट से पहले टीम इंडिया अपनी कमजोरियों और ऑस्ट्रेलिया की कंडीशंस में ढलने के लिए खास तैयारी करने की योजना बनाई है। इसके लिए भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया में पर्थ को अपना बेस बनाने का निर्णय लिया है। बीसीसीआई ने भी इसके लिए हरी झंडी दे दी है। पर्थ को बेस बनाने की सबसे बड़ी वजह वहां के विकेटों में अतिरिक्त उछाल का होना है। टी20 विश्व कप से पहले भारतीय बल्लेबाज यहां प्रैक्टिस कर उछाल और अतिरिक्त गति से तालमेल बिठा लेना चाहते हैं। ताकि विश्व कप में उन्हें तेज रफ्तार गेंदों को खेलने में कोई दिक्कत न हो। जानकारी के मुताबिक, टीम इंडिया पर्थ में 2 हफ्ते तक अभ्यास करेगी और विश्व कप के वार्म अप मैच से पहले इंट्रा स्क्वॉड मुकाबले खेलेगी। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि भारतीय टीम वर्ल्ड कप के लिए दो या ढाई हफ्ते पहले ऑस्ट्रेलिया पहुंच जाएगी। टीम पर्थ में ट्रेनिंग और प्रैक्टिस करेगी। इतना ही नहीं, वहां कुछ प्रैक्टिस मैच भी खेले जाएंगे। टीम इंडिया पहले 9 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने वाली थी, लेकिन कोच राहुल द्रविड़ ने बीसीसीआई से टीम के लिए अतिरिक्त प्रैक्टिस मैच कराने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया था। इसे बीसीसीआई ने स्वीकार करते हुए टीम को कुछ दिन पहले ऑस्ट्रेलिया भेजने का फैसला किया है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया कि हम कुछ टीमों के साथ बातचीत कर रहे हैं, जो आईसीसी द्वारा रखे गए वॉर्म अप मैच के अलावा हमारे साथ प्रैक्टिस मैच खेल सकें। टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टी20 की सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी इतने ही मैच की टी20 सीरीज खेलनी है। इसका आखिरी मुकाबला 4 अक्टूबर को इंदौर में खेला जाना है। अब भारतीय टीम इस मैच के खत्म होने के बाद 5 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। पहले टीम की योजना 9 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया जाने की थी। ऑस्ट्रेलिया के लिए जल्दी उड़ान भरने के साथ ही भारतीय टीम नेट बॉलर और स्टैंडबाय खिलाड़ियों को लेकर साथ जाएगी। वहीं, आईसीसी द्वारा टीम इंडिया के लिए शेड्यूल किए गए दो वार्म अप मैच न्यूजीलैंड (17 अक्टूबर) और ऑस्ट्रेलिया (18 अक्टूबर) के अलावा बीसीसीआई ऑस्ट्रेलिया में टीम के लिए कम से कम 3 अभ्यास मैच की योजना पर काम कर रही है।

मुझे दबाव की परिस्थितियों में भी बड़े शॉट खेलने में मदद मिलती : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम में 'फिनिशर की भूमिका निभा रहे दिनेश कार्तिक ने कहा कि वह बहुत अधिक अभ्यास नहीं करते लेकिन कुछ विशेष चीजों पर ध्यान देते हैं। कार्तिक ने अनुसार ऐसा करने से उन्हें बेहद दबाव की परिस्थितियों में भी बड़े शॉट खेलने में मदद मिलती है। कार्तिक से जब तैयारियों के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि नेट अभ्यास में इस तरह की परिस्थितियां तैयार करने से उन्हें मदद मिलती है। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से इसका अभ्यास कर रहा हूं। मैंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए ऐसा किया और अब भारतीय टीम के लिए कर रहा हूं। कार्तिक ने कहा,''मैं इस तरह की परिस्थितियां तैयार करके अभ्यास करता हूं और राहुल द्रविड़ व विक्रम राठौड़ भाई भी इसमें मेरी मदद करते हैं। कार्तिक ने कहा, मैं बहुत अधिक अभ्यास नहीं करता लेकिन जहां तक संभव हो सके कुछ खास चीजों पर ध्यान देता हूं। मोहाली में पहले मैच में कार्तिक को अक्षर पटेल के बाद बल्लेबाजी के लिए भेजा गया लेकिन दूसरे मैच में उन्हें बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर से पहले उतारा गया। कार्तिक ने कहा, यह ऐसा है जिसको हम आजमा रहे हैं। कुछ अवसरों पर कुछ ओवर बचे होते हैं, जिसमें अक्षर स्पिनरों पर हावी होकर खेल सकता है। इसके पीछे तर्क है उस चरण में बाएं हाथ के बल्लेबाज और लेग स्पिनर का अच्छा मुकाबला होगा, इसलिए कुछ अवसरों पर हम यह विकल्प आजमाते हैं।

मंजीत नार्थ चैनल पार करने वाले पहले एशियाई पैरा खिलाड़ी बने

नई दिल्ली । दिव्यांग तैराक मंजीत ने नार्थ चैनल पार कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हरियाण के झज्जर में रहने वाले इस खिलाड़ी ने अपनी टीम के साथ 14 घंटे 39 मिनट में ही 36 किलोमीटर लंबे नॉर्थ चैनल को पार कर सबको हैरान कर दिया। मंजीत की टीम में कुल 6 खिलाड़ियों में से 3 दिव्यांग हैं। इस प्रकार मंजीत नार्थ चैनल पार करने पहले भारतीय और एशियाई पैरा खिलाड़ी बने हैं। उत्तरी आयरलैंड से स्काटलैंड के पोर्ट पैट्रिक तक आयोजित इस रिले रेस के लिए देश के 6 खिलाड़ियों का चयन हुआ था। इन खिलाड़ियों में हरियाणा के मंजीत कादियान, मध्यप्रदेश के सत्येंद्र लोहिया, पश्चिम बंगाल से रिमो साहा, नागपुर से जयंत कुमार और असम से एल्विश और तमिलनाडु के स्नेहन शामिल थे। इन खिलाड़ियों में मंजीत सहित कुल तीन दिव्यांग खिलाड़ी भी थे। गौरतलब है कि एशिया के किसी भी दिव्यांग तैराक ने अब तक 36 किलोमीटर तैराकी का रिकॉर्ड नहीं बनाया था पर इस बार मंजीत सिंह सहित सभी खिलाड़ियों ने रिले में रिकार्ड बनाकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले मंजीत ने पांच अन्य पैरा तैराकों के साथ 9 घंटे 8 मिनट 39 सेकेंड में अरब सागर में 40 किलोमीटर तैरकर रिकॉर्ड बनाया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या है नवदुर्गा के नौ रूपों का रहस्य?

चैत्र और शारदीय नवरात्रि में माता दुर्गा के नौ रूपों की पूजा होती है। इन नौ दिनों में शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा होती है। आओ जानते हैं माता के 9 रूपों का क्या है रहस्य।

1. शैलपुत्री- शैलपुत्री का अर्थ पर्वत राज हिमालय की पुत्री। यह माता का प्रथम अवतार था जो सती के रूप में हुआ था।
2. ब्रह्मचारिणी- ब्रह्मचारिणी अर्थात् जब उन्होंने तपश्चर्या द्वारा शिव को पाया था।
3. चंद्रघंटा- चंद्रघंटा अर्थात् जिनके मस्तक पर चंद्र के आकार का तिलक है।
4. कूष्मांडा- ब्रह्मांड को उत्पन्न करने की शक्ति प्राप्त करने के बाद उन्हें कूष्मांड कहा जाने लगा। उदर से अंड तक वह अपने भीतर ब्रह्मांड को समेटे हुए है, इसीलिए कूष्?मांडा कहलाती है।
5. स्कंदमाता- उनके पुत्र कार्तिकेय का नाम स्कंद भी है इसीलिए वह स्कंद की माता कहलाती है।
6. कात्यायनी- महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर उन्होंने उनके यहां पुत्री रूप में जन्म लिया था, इसीलिए वे कात्यायनी कहलाती है।
7. कालरात्रि- मां पार्वती काल अर्थात् हर तरह के संकट का नाश करने वाली है इसीलिए कालरात्रि कहलाती है।
8. महागौरी- माता का रंग पूर्णत- गौर अर्थात् गौरा है इसीलिए वे महागौरी कहलाती है।
9. सिद्धिदात्री- जो भक्त पूर्णत- उन्हीं के प्रति समर्पित रहता है, उसे वह हर प्रकार की सिद्धि दे देती है। इसीलिए उन्हें सिद्धिदात्री कहा जाता है।

नवरात्रि में जौ बोने का क्या है सही कारण, क्या मिलते हैं संकेत?

हिंदू धर्म में नवरात्रि का बहुत बड़ा महत्व माना जाता है। इस दौरान माता के भक्त मां को प्रसन्न करने के लिए पूरे नौ दिन तक उपवास रखकर उनकी पूजा करते हैं। नवरात्रि के व्रत में जौ बीजने की परंपरा बताई जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं आखिर नवरात्रि में व्रत रखने वाला व्यक्ति जौ क्यों बीजता है। हो सकता है इसका जवाब अधिकतर लोग न जानते हो। अगर आप भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल हैं तो आपको बताते हैं आखिर नवरात्रि के दौरान क्यों बोई जाती है जौ और क्या है इसका धार्मिक महत्व।

नवरात्रि व्रत करने वाले लोग अपने घर में मिट्टी के एक बर्तन में जौ बोते हैं। मिट्टी के बर्तन में बोए जाने वाले जौ व्यक्ति को उसेक भविष्य से जुड़े कई अहम संकेत देते हैं। धर्मग्रन्थों के अनुसार सृष्टि की शुरूआत के बाद सबसे पहली फसल जौ ही हुई थी। यही वजह है कि जब कभी देवी-देवताओं की पूजा की जाती है तो हवन में जौ ही चढ़ाई जाती है।

नवरात्रि के दौरान मिट्टी में बोया गया जौ दो तीन दिन में ही अंकुरित हो जाता है, लेकिन अगर यह न उगे तो व्यक्ति को भविष्य से जुड़े अच्छे संकेत नहीं मिलते हैं। इसका मतलब व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद ही कोई चीज हासिल होगी। लेकिन अगर जौ का रंग नीचे से आधा पीला और ऊपर से आधा हरा हो जाए तो इसका मतलब आने वाला साल व्यक्ति के लिए आधा अच्छा रहेगा।

जौ का रंग नीचे से आधा हरा है और ऊपर से आधा पीला होने पर इसका मतलब होता है कि साल का शुरूआती समय अच्छे से बीतेगा, लेकिन बाद में व्यक्ति को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन अगर व्यक्ति का बोया हुआ जौ सफेद या हरे रंग में उग रहा है तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा होने पर माना जाता है कि माता रानी ने आपकी पूजा स्वीकार कर ली है और आने वाला पूरा साल आपके लिए खुशियों से भरा होगा।

शादीय नवरात्रि

इस बार हाथी पर सवार हो कर आ रही हैं मां दुर्गा

बन रहे हैं बहुत ही शुभ संयोग और दुर्लभ योग

हिन्दू पंचांग के अनुसार प्रतिवर्ष शादीय नवरात्रि आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा यानी कि 26 सितंबर 2022 सोमवार से प्रारंभ हो रही है, जो 5 अक्टूबर 2022 तक रहेगी। इस बार मातारानी हाथी पर सवार होकर आ रही है और बन रहे हैं बहुत ही शुभ संयोग और दुर्लभ योग। आओ जानते हैं शुभ मुहूर्त।

तिथि: आश्विन नवरात्रि की प्रतिपदा तिथि 26 सितंबर 2022 सोमवार को सुबह 03 बजकर 23 मिनट से शुरू हो जाएगी जो 27 सितंबर 2022 को सुबह 03 बजकर 08 मिनट पर खत्म होगी।

देवी भागवत पुराण अनुसार इस श्लोक से जानें कि माता कि सवारी कैसे डिसाइड होती है-

शशि सूर्य गजरुढा शनिभौमै तुरंगमे।
गुरौशुक्रेच दोलायां बुधे नौकाप्रकीर्तिता॥

अर्थात : यदि नवरात्रि सोमवार या रविवार से प्रारंभ हो तो माता हाथी पर सवार होकर आती हैं। यदि वह दिन शनिवार या मंगलवार हो तो माता की सवारी घोड़ा होता है और शुक्रवार या गुरुवार को नवरात्रि शुरु होती है तो माताराणी डोली में विराजमान होकर आती हैं। यदि बुधवार दिन हो तो माता का आगमन नौका में होता है।

हाथी की सवारी का फल : कहते हैं कि जब माता हाथी पर सवार होकर आती है तो वर्षा अधिक होने का संकेत है। जिससे चारों ओर हरियाली छा जाएगी। फसलें भी अच्छी होंगी। देश में अन्न के भंडार भरेंगे, संपन्नता, धन और धान्य में वृद्धि होगी। माता का आगमन हाथी और नौका पर होता तो वह साधक के लिए कल्याणकारी होता है।

नवरात्रि पर कलश स्थापना और पूजा के शुभ मुहूर्त

- सुबह 6 बजकर 11 मिनट से लेकर 7 बजकर 51 मिनट तक रहेगा।
- अभिजित मुहूर्त: दोपहर 12:06 से 12:54 तक रहेगा।
- विजय मुहूर्त : दोपहर : 02:30 से 03:18 तक।
- गोधूलि मुहूर्त: शाम 06:19 से 06:43 तक।
- सायाह्न सन्ध्या : शाम 06:31 से 07:43 तक।

नवरात्रि के शुभ योग

- शुक्ल योग सुबह 08:05 तक, उसके बाद ब्रह्म योग।
- हस्त नक्षत्र : 26 सितंबर प्रात: 05:55 से प्रारंभ होकर दूसरे दिन प्रात: 06:16 बजे तक। उसके बाद चित्र।

शारदीय नवरात्रि में कैसे करें कलश और घट स्थापना?

क्या है घट स्थापना की विधि? 26 सितंबर 2022 सोमवार से शारदीय नवरात्रि प्रारंभ हो रही है। माता दुर्गा के साथ ही घट स्थापना और कलश स्थापना की जाती है। शुभ मुहूर्त में घट स्थापना करने का महत्व है। आओ जानते हैं कि किस तरह करते हैं कलश और घटस्थापना।

घट स्थापना कैसे की जाती है

- घट अर्थात मिट्टी का घड़ा। इसे नवरात्रि के प्रथम दिन शुभ मुहूर्त में ईशान कोण में स्थापित किया जाता है।
- घट में पहले थोड़ी सी मिट्टी डालें और फिर जौ डालें। फिर एक परत मिट्टी की बिछा दें। एक बार फिर जौ डालें। फिर से मिट्टी की परत बिछाएं। अब इस पर जल का छिड़काव करें। इस तरह उपर तक पात्र को मिट्टी से भर दें। अब इस पात्र को स्थापित करके पूजन करें।
- जहां घट स्थापित करना है वहां एक पाट रखें और उस पर साफ लाल कपड़ा बिछाकर फिर उस पर घट स्थापित करें। घट पर रोली या चंदन से स्वास्तिक बनाएं। घट के गले में मौली बांधे।

कलश स्थापना विधि

- एक तांबे के कलश में जल भरें और उसके ऊपरी भाग पर नाड़ा बांधकर उसे उस मिट्टी के पात्र अर्थात घट के उपर रखें। अब कलश के ऊपर पत्ते रखें, पत्तों के बीच में नाड़ा बंधा हुआ नारियल लाल कपड़े में लपेटकर रखें।
- अब घट और कलश की पूजा करें। फल, मिठाई, प्रसाद आदि घट के आसपास रखें। इसके बाद गणेश वंदना करें और फिर देवी का आह्वान करें।
- अब देवी- देवताओं का आह्वान करते हुए प्रार्थना करें कि 'हे समस्त देवी-देवता, आप सभी 9 दिन के लिए कृपया कलश में विराजमान हों।'
- आह्वान करने के बाद ये मानते हुए कि सभी देवतागण कलश में विराजमान हैं, कलश की पूजा करें। कलश को टीका करें, अक्षत चढ़ाएं, फूलमाला अर्पित करें, इत्र अर्पित करें, नैवेद्य यानी फल-मिठाई आदि अर्पित करें।

नवरात्रों में कौन से रंग का कपड़ा पहनकर पायें माँ दुर्गा की विशेष कृपा

अज से नवरात्र आरंभ हो जाएंगे। इन 9 दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग रूपों की विशेष तरह से पूजा-अर्चना की जाती है। यदि आप प्रत्येक दिन अलग-अलग रंग के कपड़े पहनकर मां दुर्गा की उपासना करते हैं तो ऐसी मान्यता है कि ऐसा करने से मां भगवती बेहद प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों की सारी इच्छाएं पूरी करती है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि नवरात्र के अलग-अलग दिन कौन-सा कपड़ा पहन कर माँ भगवती की कृपा पायी जा सकती है।

नवरात्रि के पहले दिन पहने पीले रंग के कपड़े

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है और माना जाता है कि माता शैलपुत्री को पीला रंग बहुत ही पसंद है, इसलिए इस दिन पीले रंग के वस्त्र धारण करके मां की पूजा करने से मां शैलपुत्री प्रसन्न होती हैं।

दूसरे दिन पहने हरे रंग के वस्त्र

नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी की उपासना की जाती है। मान्यता है कि माता ब्रह्मचारिणी को हरा रंग बेहद ही प्रिय है, इसलिए उनकी चुनरी और श्रृंगार भी हरे रंग से ही किया जाता है। मां की पूजा हरे रंग के कपड़े पहनकर ही करनी चाहिए।

मां चंद्रघंटा को प्रिय है भूरा रंग

तीसरे दिन मां दुर्गा के चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा की जाती है उन्हें भूरा रंग बहुत प्रिय है इसलिए उनका श्रृंगार भी भूरे रंग के वस्त्रों से ही किया जाता है। भूरे रंग के कपड़े पहनकर ही मां की पूजा करनी चाहिए।

चौथे दिन धारण करें नारंगी रंग के कपड़े

चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि उन्हें नारंगी रंग बहुत पसंद है। मां की पूजा के दौरान सारा श्रंगार भी नारंगी रंग के कपड़ों से ही किया जाता है इसलिए उनकी पूजा नारंगी रंग के कपड़े पहनकर करनी चाहिए। इससे माता खुश होती हैं।

मां स्कंदमाता को प्रिय है सफ़ेद रंग

पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा-

उपासना की जाती है। मान्यता है कि मां स्कंदमाता को सफेद रंग से बेहद पसंद है, इसलिए उनकी पूजा करते हुए सफेद रंग के कपड़े जरूर पहनने चाहिए।

छठे दिन पहनें लाल रंग के कपड़े

छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि मां कात्यायनी को लाल रंग बेहद पसंद है, इसीलिए उनका श्रृंगार भी लाल रंग के कपडों से किया जाता है और भक्तों को भी मां की कृपा पाने के लिए लाल रंग के कपड़े पहनने चाहिए।

मां कालरात्रि को प्रिय है नीला रंग

सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाती है उन्हें नीला रंग बहुत भाता है। उनकी मूर्ति के वस्त्रों और पूजा के दूसरे सामानों का रंग भी नीला ही रखा जाता है।

गुलाबी रंग के वस्त्र पहनें आठवें दिन

आठवें दिन मां महागौरी की पूजा की जाती है उन्हें गुलाबी रंग से बेहद प्रिय है, इसलिए उन्हें प्रसन्न करने के लिए नवरात्र के आठवें दिन गुलाबी रंग के कपड़े पहनने चाहिए।

नौवें दिन पहनें जामुनी रंग के कपड़े

नौवें और आखिरी दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा-उपासना की जाती है। मान्यता है कि जामुनी रंग मां सिद्धिदात्री को बहुत प्रिय है, इसलिए उनकी पूजा करते समय जामुनी रंग के कपड़े पहनने चाहिए ताकि माँ भगवती की कृपा आप पर बनी रहे।

कैसे मनाएं नन्ही कन्याओं के पूजन का उत्सव

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है। अगर आप नौ दिनों तक पूजन नहीं कर सके तो अंतिम दो दिन शुभ और बेहतर अवसर होते हैं कन्या पूजन के लिए.आइए जानें 9 दिन कैसे करें कन्या पूजन...

सबसे पहले कन्या जब घर में प्रवेश करें तब उनके पैरों में महावर या कुमकुम लगाकर घर में लेकर आएं। उन पर फूलों की वर्षा करें। उनके हाथ में दो तरह की दक्षिणा दें। एक दक्षिणा कन्या घर लेकर जाएगी और दूसरी समस्त पूजन के बाद कन्या से वापिस लेनी है। जब कन्या जाने लगे तब हर कन्या से 1-1 सिक्का लें और उसे अपनी तिजोरी में रखें।

* प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए - गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
* दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
* तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
* चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
* पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अत- कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
* छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
* सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अत- इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
* आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
* नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

इस परंपरा के पीछे मान्यता है कि देवी जब अपने लोक जाती है तो उसे घर की कन्या की तरह ही बिदा किया जाना चाहिए। अगर सामर्थ्य हो तो नौवें दिन लाल चुनर कन्याओं को भेंट में दें। उन्हें दुर्गा चालीसा की छोटी पुस्तकें भेंट करें। गरबा के डांडिए और चणिया-चोली दिए जा सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तूफान टायफून तलस का जापान में कहर, 2 की मौत, एक लाख घरों की बिजली गुल

टोक्यो । जापान इन दिनों तूफान टायफून तलस के कहर से जूझ रहा है। शनिवार को उस समय दो लोगों की मौत हो गई जब यहां पर तूफान तलस ने दस?तक दी। इस तूफान की वजह से दो लोगों की मौत हो गई है। साथ ही हजारों घरों की बिजली भी गुल हो गई है। तूफान ने शनिवार रात जापान के शिजुकोवा प्रीफेक्चर में भारी बारिश के साथ दस्तक दी। पिछले ही हफ्ते यहां पर तूफान ननमाडोल आया था जिसने कई क्षेत्रों में जमकर तबाही मचाई थी। काकेगवा में तूफान की वजह से हुए भूस्खलन में 40 साल के व्यक्ति की मौत हो गई थी। जबकि कार के डूबने से 29 साल के एक युवक की मौत हो गई थी। शिजुका में एक और भूस्खलन में तीन लोग जिसमें एक नौ साल का बच्चा भी शामिल है, वो घायल हो गए हैं। तूफान के बाद कई घरों की बिजली भी चली गई है। जापान के शुबू इलेक्ट्रिक पावर ग्रिड का कहना है कि 120,000 घरों की बिजली काटनी पड़ी है। भूस्खलन की वजह से दो खंबे दब गए जिनकी वजह से बिजली सप्लाई रोकनी पड़ी। यह जापान में इस सीजन का 15वां तूफान है। जापान के मौसम विभाग की तरफ से बताया गया है कि तूफान की वजह से देश में 90 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाएं चल रही हैं। शिजुका शहर में इसकी वजह से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। यहां पर 417 मिलीमीटर तक बारिश हुई है। गुरुवार से भारी बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने ऊंची समुद्री लाहरों, भूस्खलन और बाढ़ की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वी, मध्य और उत्तरी जापान जिसमें टोक्यो भी शामिल है, वहां हालात बेकाबू हो सकते हैं। तूफान ननमाडोल की वजह से देश में चार लोगों की मौत हुई थी और 151 घायल हो गए थे। जापान में इस समय तूफान का मौसम चल रहा है। हर साल देश में करीब 20 तूफान आते हैं। इनकी वजह से भारी बारिश की वजह से भूस्खलन और बाढ़ एक आम बात हो गई है। साल 2019 में टायफून हगीबिस ने जापान में दस्तक दी थी। उस साल जापाल रग्बी वर्ल्ड कप का आयोजन कर रहा था। उस तूफान ने 100 लोगों की जान ले ली थी। इसके अलावा 2018 में बाढ़ और भूस्खलन में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। तूफान नानमाडोल के आने से पहले ही कई फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। वैज्ञानिकों ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से चक्रवातों का खतरा बढ़ गया है। इसकी वजह से मौसम की अत्यधिक मुश्किल स्थितियां पैदा हो रही हैं जैसे कि हीटवेव्स, सूखा और बाढ़, बार-बार लोगों को इन परिस्थितियों से दो-चार होना पड़ रहा है।

ईरान में महिलाओं ने सुप्रीम लीडर खामनेई के पोस्टर पर पोती कालिख, हिजाब को आग में झाँका, बाल कटाए

तेहरान। ईरान में हिजाब कानून को लेकर प्रदर्शनों की आग 80 से अधिक शहरों में फैल चुकी है। विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में अब तक 36 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। ईरान की महिलाएं सड़कों पर उतर चुकी हैं और सख्त धार्मिक बंदिशों का विरोध कर रहीं हैं। हिजाब के खिलाफ ईरान में छिड़ी मुहिम ने अब हिंसक रूप ले लिया है। एक मुस्लिम मुल्क में एक कट्टरपंथी कानून के खिलाफ विरोध की मशाल जल रही है। ईरान सरकार की इस तानाशाही के खिलाफ ईरान में बड़ी संख्या में महिलाएं बिना हिजाब सड़कों पर प्रदर्शन कर रही हैं। तेहरान में महिलाओं के हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए हिजाब को जला दिया और सिर के बाल काट डाले।
सोशल मीडिया पर ईरान में प्रदर्शन कर रही महिलाओं के कुछ वीडियो सामने आए हैं। जिसमें सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह खामनेई के पोस्टर फाड़े जा रहे हैं और कहीं पर उनमें आग लगाई जा रही है। कोई पोस्टरों पर पत्थर मार रहा है तो कहीं कालिख पोती जा रही है। 22 साल की महसा अमिनी की मौत से ये महिलाएं गुस्से में हैं। महसा पश्चिमी ईरान में साकेज की रहने वाली थीं। वह परिवार से मिलने 13 सितंबर को तेहरान आई थीं। वह हिजाव के खिलाफ थी, इसलिए उन्होंने हिजाब नहीं पहना था। हिजाब नहीं पहनने की वजह से पुलिस ने महसा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के 3 दिन वाद 16 सितंबर को उनकी मौत हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि गिरफ्तारी के वक्त महसा पूरी तरह ठीक थी। उन्हें पुलिस की गाड़ी में बेरहमी से पीटा गया, यह घटना सामने आने के बाद ईरान में महिलाओं ने हिजाब के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया है।

अमेरिका में एक आयोग ने सेना की सभी शाखाओं के लिये मानकीकृत वर्दी नीति की सिफारिश की

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा गठित एक आयोग ने सिफारिश की है कि अमेरिकी सेना की सभी शाखाओं को एक मानकीकृत वर्दी नीति अपनानी चाहिए, जो सैनिकों को पगड़ी पहनने, दाढ़ी रखने, हिजाब और टोपी पहनने जैसे अपने धार्मिक नियमों का पालन करने की अनुमति देती है। एशियाई अमेरिकी, हवाई के मूल निवासी और प्रशांत द्वीप समूह में रहने वाले विभिन्न धार्मिक समुदायों के लोगों पर राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग ने शुक्रवार को अपनी एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें 12 मई को स्वीकृत सिफारिशों का विवरण दिया गया है। दरअसल, अमेरिकी सेना की 1981 में जारी वर्दी संबंधी दिशा-निर्देशों के तहत सैनिकों के पगड़ी पहनने, दाढ़ी रखने, हिजाब और यहूदी पुरुषों द्वारा पहनी जाने वाली विशेष टोपी के पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अमेरिकी थल सेना और वायु सेना ने क्रमश- 2017 और 2020 में अपनी वर्दी नीतियों में बदलाव करते हुए सैनिकों को अपनी-अपनी धार्मिक आस्था की चीजें पहनने की अनुमति प्रदान कर दी थी। राष्ट्रपति द्वारा गठित आयोग ने कहा, ''अब, सैकड़ों सैनिक मौजूदा समय में अमेरिकी थल सेना और वायु सेना में अपनी धार्मिक आस्थाओं का पालन करते हुए नौकरी कर सकते हैं।'' आयोग ने कहा, ''लेकिन, अमेरिकी नौसेना ने सैनिकों को सीमित दायरे के तहत ही अपनी धार्मिक आस्था का पालन करने की अनुमति प्रदान की है। नतीजतन, उन्हें अपने देश की सेवा करने के लिए अपनी धार्मिक मान्यताओं का उल्लंघन करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।'' आयोग ने कहा कि सेना की विभिन्न शाखाओं में धार्मिक समायोजन केलिये प्रक्रिया और नीति में भिन्नता है।

कोरोना से जंग में जान की बाजी लगाने वालों को दिया गया पुरस्कार

जोहान्सबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के लेनेसिया स्थित धार्मिक संगठन शिव गण सभा द्वारा प्रसिद्ध तमिल कवि और स्वतंत्रता सेनानी सी सुब्रमण्यम भारती के नाम पर दिया जाने वाला पुरस्कार इस साल उन संगठनों और लोगों को प्रदान किया गया, जिन्होंने कोरोना संकट के दौर में अपने प्राणों की परवाह नहीं करते हुए लोगों की सेवा की है। यह पुरस्कार कोरोना संकट की वजह से बीच के दो सालों तक स्थगित रहा। संगठन वर्ष 2007 से ही यह पुरस्कार दे रहा है। यह पुरस्कार सितंबर माह में प्रदान किया जाता है, जब दक्षिण अफ्रीका विरासत महीना मनाता है। इस पुरस्कार की शुरुआत संगठन के संस्थापक सदस्यों में से एक गुरु मरिये पिल्लै ने की थी। इस साल के पुरस्कार की थीम 'कोविड महामारी के नायक' रखी गई क्योंकि इस साल 22 व्यक्तियों और समुदाय के संगठनों को महामारी के दौरान नागरिकों की मदद में भूमिका के लिए सम्मानित किया गया है। सभा की मैगी गोविंदन ने कहा हमें पुरस्कार के लिए बड़े पैमाने पर नामांकन प्राप्त हुए थे, इन सभी लोगों ने लॉकडाउन में अपनी जान खतरे में डालकर विभिन्न तरह से लोगों की मदद की। उन्होंने कहा कि कई अर्हता रखने वाले नामांकनों की वजह से उनमें से पुरस्कार के लिए चुनना मुश्किल कार्य था। इस साल हिंदू, मुस्लिम और ईसाई धार्मिक नेताओं के अलावा एंबुलेंस सेवा, डॉक्टर, फर्मासिस्ट, अस्पताल, दाह गृह और अन्य नागरिक संगठनों और व्यक्तियों को सम्मानित किया गया है जिन्होंने खतरे के बावजूद प्रभावित लोगों की मदद की। कोविड-19 महामारी से मौत से पहले लोगों की मदद करने के लिए थिरु सीरालिन नायडू को मरणोपरांत पुरस्कार प्रदान किया गया है।

भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत अंतिम चरण में, जल्द अंतिम रूप लेगा यह करार: विन्सेंट केवेनी

लंदन । भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। लंदन के लॉर्ड मेयर विन्सेंट केवेनी ने यह बात कही है। केवेनी हाल ही में चार दिवसीय भारत यात्रा के बाद लंदन वापस लौटे हैं। उन्होंने कहा कि एफटीए को लेकर कुछ मुद्दे अभी लंबित हैं, लेकिन दोनों पक्षों को उम्मीद है कि समझौते के मसौदे के लिए तय की गई दिवाली की समयसीमा को पूरा कर लिया जाएगा। केवेनी ने कहा कि भारत में उनका समय काफी अच्छा बीता। एफटीए को लेकर वार्ता अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह एफटीए पर दिवाली तक हस्ताक्षर चाहते हैं। हालांकि, कुछ मुद्दे अभी लंबित हैं, लेकिन दोनों पक्ष इस बात को लेकर आशान्वित हैं कि दिवाली तक की समयसीमा में पूरा कर लिया जाएगा।

उत्तरी चीन के लांच सेंटर से दागा गया कैजियूहो-1 ए सेटेलाइट।

तबाह हो चुकी है रूस की प्रोफेशनल आर्मी, अब शौकिया लोगों को ठिकाने लगाने की बारी: वालेरी जालुज्नी

कीव । यूक्रेन के एयर डिफेंस फोर्स ने एक रूसी ड्रोन को ओडेसा में मार गिराया है। दरअसल, रूसी सेना ने ओडेसा पर कामिकेज ड्रोन से हमला किया था। ओडेसा ओब्लास्ट सैन्य प्रशासन के एक प्रवक्ता सेर्ही ब्रैचुक ने 25 सितंबर को सुबह कहा कि ओडेसा शहर के केंद्र में स्थित प्रशासनिक भवन पर तीन बार हमला किया गया। इसके बाद एक रूसी ड्रोन को मार गिराया गया। ब्रैचुक ने कहा कि बचाव अभियान और आग बुझाने का काम जारी है। इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यूक्रेन की सेना के कमांडर-इन-चीफ वालेरी जालुज़्नी ने दावा किया कि हम रूसी पेशेवर सेना को खत्म कर चुके हैं, यह समय शौकिया सेना को खत्म करने का है। खबर है कि 24 सितंबर को डोनेट्स्क ओब्लास्ट में 2 नागरिक मारे गए और 8 घायल हुए हैं। गवर्नर पावलो किरिलेंको के मुताबिक रूसी सेना ने बखमुट और क्रास्नोहोरिवका में एक-एक नागरिक को मार डाला। डोनेट्स्क ओब्लास्ट में अब तक कम से कम 884 नागरिक मारे गए हैं। इसमें रूस के कब्जे वाले मारियुपोल और वोल्नोवाखा में मारे गए लोग शामिल नहीं हैं, जहां हजारों लोगों की हत्या किए जाने का दावा किया जा रहा है। जबकि अपने रात के वीडियो भाषण में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन जापोरिज्जिया, खार्किव, मायकोलाइव, निकोपोल, डोनबास और सभी यूक्रेनी शहरों और इलाकों में सभी हमलों का जवाब देगा। हम निश्चित रूप से खेरसॉन, लुहान्स्क, डोनेट्स्क, ओब्लास्ट और क्रीमिया तक अपने पूरे देश को मुक्त कराएंगे। उन्होंने कहा कि हर हत्यारे और जल्लाद को उसके किए की सजा मिलेगी, जो उन्होंने हम यूक्रेनियन के खिलाफ किए हैं।

पाक पीएम शहबाज शरीफ का हुआ लीक, भारत का है जिक्र

बीजिंग (एजेंसी)।

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार के नेताओं की कथित बातचीत की और ऑडियो क्लिप रविवार को सामने आईं, जिससे महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा और वहां हुई बैठकों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्पष्ट रूप से एक क्लिप में कड़ी सुरक्षा वाले पीएम हाउस में सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के कई वरिष्ठ नेताओं के बीच हुई बातचीत सुनाई देती है। इसमें गृह मंत्री राणा सनाउल्ला, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, कानून मंत्री आजम तरार और आर्थिक मामलों के मंत्री अयाज सादिक को वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल की किस्मत और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सांसदों के नेशनल असेंबली से इस्तीफे के बारे में बात करते हुए सुना जा सकता है।

वहीं, एक अन्य ऑडियो क्लिप में कथित तौर पर पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरयम नवाज और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच वित्त मंत्री इस्माइल के बारे में बातचीत होती सुनाई देती है। तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ की बेटी मरयम का सरकार में काफी प्रभाव है और वह इस्माइल की आलोचक हैं। मरयम को इसमें यह कहते सुना जा सकता है, वह (इस्माइल) जिम्मेदारी नहीं लेता है... टीवी पर अजीब चीजें कहता है, जिसके लिए लोग उसका मजाक उड़ाते हैं...।'' बीच में, प्रधानमंत्री शहबाज की आवाज सुनाई देती है। मरयम यह कहती सुनाई देती हैं, अंकल, उसे नहीं पता कि वह क्या कर रहा है।''

इसके साथ ही वह पीएमएल-एन के दिग्गज इशाक डार की वापसी की कामना करती हैं, जिन्हें वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभालने के लिए अगले सप्ताह वापस आने के लिए कहा गया है। दोनों क्लिप से पहले आई एक क्लिप में प्रधानमंत्री शहबाज और एक अज्ञात अधिकारी मरयम की इस इच्छा के बारे में बात करते सुनाई देते हैं कि उनके एक रिश्तेदार को भारत से कुछ मशीन आयात करने की अनुमति दी जाए। सरकार ने लीक क्लिप के बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन विपक्षी पीटीआई पहले ही इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर आक्रामक है और उसने सरकार की निंदा की है। पीटीआई के नेता और पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल पारिवारिक मामलों की सुरक्षा में अधिक रुचि रखता है।

संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय आतंकियों को सूचीबद्ध करने में बाधा डालना संवेदनशील व्यवहार नहीं : जयशंकर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों को संयुक्त राष्ट्र की आतंकी सूची में शामिल किए जाने के प्रस्तावों को बार-बार बाधित किए जाने के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि आतंकवाद का इस्तेमाल 'राजनीतिक औजार' के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बगैर कोई कारण बताए किसी चीज को बाधित करना व्यावहारिक एवं संवेदनशील बर्ताव नहीं है।

विदेश मंत्री ने भारतीय संवाददाताओं से बातचीत में कहा हमारा मानना है कि अगर किसी प्रक्रिया में कोई पक्ष फैसला करता है तो उसे इस बारे में पारदर्शी होने की जरूरत है। ऐसे में, बिना कारण बताए किसी चीज को बाधित करना व्यावहारिक एवं संवेदनशील बर्ताव नहीं है। वह संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक आतंकवादियों की सूची में पाकिस्तान के आतंकवादियों के नाम शामिल करने के प्रस्ताव को बार-बार बाधित किये जाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

जयशंकर ने कहा यह मुद्दा मेरी कई बैठकों में उठा है। मैंने ब्रिक्स देशों के साथ बैठक में भी इसका उल्लेख किया था। उन्होंने यह बात संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर गुरुवार को ब्रिक्स के सदस्यों-ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका-के विदेश मंत्रियों की बैठक का संदर्भ देते हुए कहा। इस बैठक में जयशंकर के अलावा ब्राजील के विदेश मंत्री कार्लोस अल्बर्टो फ्रैंको फ्रांका, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, चीन के विदेश मंत्री वांग यी और दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग मामलों के मंत्री नलैदी पैंडर शामिल हुए। पाकिस्तान से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वाले वाले आतंकवादियों को सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 1267 अलकायदा प्रतिबंध सूची में शामिल कराने के भारत, अमेरिका और अन्य देशों के प्रयास को यूएनएससी में वीटो अधिकार रखने वाले देश चीन ने कई बार बाधित किया है। पिछले हफ्ते चीन ने अमेरिका द्वारा पेश किये गए और भारत द्वारा समर्थित एक प्रस्ताव को रोक दिया था। यह प्रस्ताव लश्कर ए तैयबा के आतंकी साजिद मीर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के लिए लाया गया था।

क्वॉड देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में यथास्थिति में बदलाव संबंधी एकतरफा कार्रवाई का विरोध किया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के समूह क्वॉड ने कहा कि वह हिंद प्रशांत क्षेत्र में यथास्थिति को बदलने संबंधी किसी भी एकतरफा कदम का कड़ाई से विरोध करता है। यहां शुक्रवार को जारी संयुक्त बयान के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें वार्षिक सत्र से इतर समूह के विदेश मंत्रियों ने स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करने के लिए क्वॉड बहु पक्षीय सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए बैठक की।

ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेन्नी वोंग, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, जापान के विदेश मंत्री हयाशी योशिमासा और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इस बैठक में हिस्सा लिया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया, ''क्षेत्र के लिए क्वॉड का मानना है कि वहां नियम आधारित व्यवस्था स्थापित हो जहां स्वतंत्रता, कानून का शासन, लोकतांत्रिक मूल्य, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान हो।''बयान में कहा गया, ''हम क्षेत्र में यथास्थिति को बदलने और तनाव बढ़ाने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून, शांति और सुरक्षा कायम रखने की प्रतिबद्धता दोहराई जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विकास और समृद्धि का आधार है।'' गौरतलब है कि चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा करता है जबकि ताइवान, फिलीपीन, ब्रूनेई, मलेशिया और वियतनाम अपने-अपने हिस्से पर दावा करते हैं।

बीजिंग ने 6000 से अधिक उड़ानें की कैंसिल, रेल सेवाएं भी निलंबित, कारण का अभी तक पता नहीं

बीजिंग (एजेंसी)।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को नजरबंद किए जाने की अटकलों के बीच सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें आईं कि शुक्रवार को चीन में 60प्र. उड़ानें रोक दी गईं। हालांकि, चीन सरकार की ओर से इस संबंध में कोई स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है। सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि चीनी सेना के जनरल ली कियाओमिंग ने नए राष्ट्रपति का पदभार संभाल लिया है। रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया कि बीजिंग ने 6,000 से अधिक घरेलू उड़ानें और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हाई-स्पीड रेल द्वारा बेचे जाने वाले सभी टिकटों को निलंबित कर दिया गया है और रेल को अगली सूचना तक पूरी तरह से रोक दिया गया है।

बीजिंग से इस तरह की खबरें ऐसे समय में आई हैं जब #XiJinping ट्विटर पर ट्रेंड कर रहा है। चीन से कुछ रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा नजरबंद कर दिया गया है। चीनी मानवाधिकार

कार्यकर्ता जेनिफर ज़ेंग द्वारा ट्विटर पर एक वीडियो साझा करने के बाद रिपोर्टें सामने आईं। वीडियो में सेना की कुछ गाड़ियां सड़क पर दौड़ती नजर आ रही हैं। ज़ेंग ने पोस्ट में कहा कि काफिला 80 किमी लंबा था और अफवाह यह थी कि शी जिनपिंग को नजरबंद कर दिया गया है। वीडियो को साझा करते हुए ज़ेंग ने लिखा कि पीएलए सैन्य वाहन 22 सितंबर को बीजिंग की ओर जा रहे हैं। बीजिंग के पास हुआनलाई काउंटी से शुरू होकर हेबेई प्रांत के झांगजियाकौ शहर में समाप्त होता पूरा काफिला 80 किलोमीटर तक लंबा है।

ट्विटर पर कई पोस्ट के अनुसार हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन के लिए समरकंद गए शी जिनपिंग को चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी, या पीएलए के प्रमुख के पद से हटा दिया गया था। इसके बाद The Casulers ने शनिवार को ट्वीट किया, 'बीजिंग हवाई अड्डे ने 6,000 से अधिक घरेलू उड़ानें और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया अभ्यास से पहले उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर में दागी बैलिस्टिक मिसाइल

सोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने रविवार को अपने पूर्वी समुद्री क्षेत्र की ओर छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए एक अमेरिकी विमानवाहक पोत के सोल पहुंचने के बीच प्योंगयांग ने यह कदम उठाया। अमेरिका और दक्षिण कोरिया एशियाई प्रायद्वीप में उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम से बढ़ते खतरे के मद्देनजर संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल किम सियुंग-क्युम ने बताया कि उत्तर कोरिया द्वारा पश्चिमी शहर ताइकॉन से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल ने खुले आसमान में 60 किलोमीटर की अधिकतम ऊंचाई पर 600 किलोमीटर की दूरी तक उड़ान भरी। दक्षिण कोरियाई सेना ने उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपण की कड़ी निंदा करते हुए इसे ''गंभीर उकसावे वाला कदम'' करार दिया और कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्तावों का उल्लंघन करता है तथा क्षेत्र व व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ''शांति और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाता है।''

वहीं, अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान ने कहा कि मिसाइल प्रक्षेपण ने ''अमेरिकी कर्मियों या क्षेत्र या हमारे सहयोगियों के लिए तत्काल खतरा'' पैदा नहीं किया है, लेकिन इसने उत्तर कोरिया के अवैध परमाणु हथियारों और मिसाइल कार्यक्रम के हानिकारक प्रभाव को उजागर किया है। उत्तर कोरिया ने इस साल अपनी मिसाइल परीक्षण गतिविधियां तेज कर दी हैं। वर्ष 2022 में वह अब तक 30 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है, जिसमें 2017 के बाद पहली बार एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण भी शामिल है। यह मिसाइल प्रक्षेपण ऐसे समय किया गया है, जब अमेरिका का परमाणु चालित विमानवाहक पोत यूएसएस रोनाल्ड रीगन और उसका एक लड़ाकू दस्ता संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए दक्षिण कोरिया पहुंचा है।

इस बीच, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने एक बयान जारी कर कहा कि हालांकि, परीक्षण से तत्काल किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है, लेकिन तोक्यो उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपण के बारे में जानकारी जुटाने और जहाजों व विमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की ''पूरी कोशिश'' कर रहा है। उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम से बढ़ते खतरे का मुद्दा अगले हफ्ते सोल की यात्रा पर जा रहीं अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की द्विपक्षीय मुलाकातों का मुख्य एजेंडा भी हो सकता है। हैरिस तोक्यो में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद दक्षिण कोरिया रवाना होंगी।

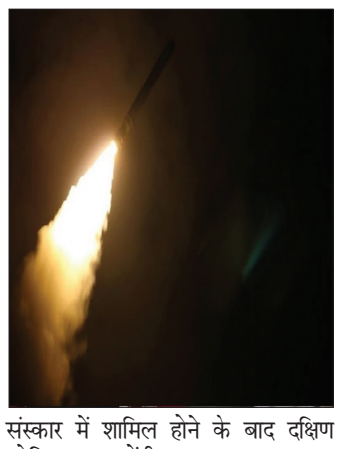

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दिल्ली में लड़के भी सुरक्षित नहीं- 12 साल के बच्चे से 4 ने किया गैंगरेप, अधमरी हालत में छोड़ गए वहशी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में 12 साल के एक लड़के के साथ चार लोगों ने कथित तौर पर गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। नाबालिग लड़के को लाठियों से पीटा गया और फिर मृत समझकर छोड़ दिया गया। बाद में आरोपियों का इतने से भी मन नहीं भरा और हैवानियत की हदें पार करते हुए लड़के के प्राइवेट पार्ट में रॉड डाल दी। जिससे वो गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मामले की जानकारी दिल्ली महिला आयोग ने शेयर की है और पुलिस से 4 दिन में में पूरी जानकारी तलब की है। स्वाति मालीवाल ने कहा कि महिला पैनल ने घटना का संज्ञान लिया है और दिल्ली पुलिस में प्राथमिकी दर्ज की है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालिवाल ने घटना के बारे में ट्वीट करते हुए लिखा कि दिल्ली में लड़की तो क्या लड़के भी सुरक्षित नहीं हैं। एक 12 साल के लड़के के साथ 4 लोगों ने बुरी तरह से रेप किया और डंडों से पीटकर अधमरी हालत में छोड़कर चले गए। हमारी टीम ने मामले में [illegible] दर्ज करवाई। 1 आरोपी गिरफ़्तार, 3 अब भी फ़रार, दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर रही हूँ। पुलिस ने इस मामले में अब तक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य फरार हैं। महिला पैनल ने मामले के सिलसिले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है।

ललितपुर में मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्राली में अनियंत्रित ट्रक ने मारी टक्कर, 6 लोगों की मौत

ललितपुर । बुंदेलखंड के ललितपुर में रविवार की सुबह कुछ परिवारों के लिए काल बनकर आई। यहां पर एक सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए, घायलों में 8 लोगों की हालत गंभीर हैं। ललितपुर में रविवार को तालबेहट के बम्होरी हाइवे पर सुबह ट्रक और ट्रैक्टर की सीधी टक्कर में ट्रैक्टर ट्राली में बैठे 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में 12-13 घायलों में 8 लोगों की हालत गंभीर बताई जाती है। इनको झांसी मेडिकल कालेज के लिए रेफर किया गया है। ट्रैक्टर ट्राली पर श्रमिक सवार थे, यह सभी काम पर जा रहे थे। सभी श्रमिकों तालबेहट के बम्होरीसर के निवासी बताए जा रहे हैं। ट्रैक्टर ट्राली से मजदूर बम्हौरीसर से तालबेहट जा रहे थे। ट्रैक्टर के यहां के तालबेहट कोतवाली क्षेत्र में ही बम्होरीसर से निकलकर हाईव पर पहुंचते ही यह बड़ा हादसा हो गया। तालबेहट की तरफ से सामने से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सीधे ट्रैक्टर ट्राली से भिड़ गया। ट्रक की जोरदार टक्कर से ट्राली ट्रैक्टर से अलग होकर नीचे खाई में जाकर पलट गई। ट्राली में चार महिलाओं समेत बीस से ज्यादा मजदूर बैठे थे। इस हादसे में छह की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल कई मजदूरों को अस्पताल भेजा गया है, इनमें से कई की हालत गंभीर है। हादसे में मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। ललितपुर में झांसी-ललितपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बम्होरीसर के पास सुबह इस बड़ी दुर्घटना के बाद सड़क के दोनों तरफ वाहनों का आवागमन रुक गया और सड़क पर लंबा जाम लग गया। हादसे की खबर पाकर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे इसके बाद काफी मशक्कत के बाद सड़क पर आवागमन सुचारु किया जा सका।

महिला कांग्रेस नेता ने फायरिंग करते बनाया रील इंस्टाग्राम पोस्ट वायरल

पलवल । हरियाणा के पलवल से दो महिलाओं की इंस्टाग्राम रील जमकर वायरल हो रही है। इसमें वह फायरिंग करती नजर आ रही हैं और बैकग्राउंड में पंजाबी गाना बज रहा है। वहीं वायरल वीडियो जब पुलिस के पास पहुंचा तो उन्होंने संज्ञान लेते हुए महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। बता दें कि आरोपी महिलाओं में एक कांग्रेस की नेता है और दूसरी एडवोकेट है। फिलहाल पुलिस दोनों की गिरफ्तारी की कार्रवाई कर रही है।इस बाबत एसएचओ सिटी पलवल रेणुदेवी ने बताया कि मामले की जांच उन्हें सौपी गई है। वह गहनता से इसकी जांच कर रही हैं। वहीं जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। दरअसल पलवल में कांग्रेस की एक महिला नेता और महिला एडवोकेट को हवाई फायरिंग का वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट करना भारी पड़ गया। वहीं अब फायरिंग का यह वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इसमें वीडियो में दिख रही महिलाओं की पहचान पलवल के वार्ड नंबर 14 की रहने वाली कांग्रेस पार्टी की महिला नेता चंचल उर्फ दिशा गौतम और वार्ड नंबर 26 की रहने वाली एडवोकेट पूनम राव के रूप में हुई है। वहीं मामले का संज्ञान लेते हुए साइबर थाना पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। हालांकि, अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। 16 सितंबर को साइबर सेल के प्रभारी विनोद कुमार सोशल मीडिया मॉनिटरिंग कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने इंस्टाग्राम की एक आईडी पर दो महिलाओं को असलहा लहराते हुए वीडियो देखा। इसमें महिलाएं सरेआम फायरिंग भी कर रही थीं। साथ ही बैकग्राउंड में पंजाबी गाना बज रहा था। इसके बाद उन्होंने मामले को संज्ञान लेते हुए वीडियो में महिलाओं द्वारा प्रयोग किए जाने वाले हथियारों के बारे में पुलिस लाइन से रिपोर्ट ली और मुकदमा दर्ज किया।

कर्नाटक में हिंदू युवक का जबरन धर्म परिवर्तन कराया, 11 के खिलाफ केस दर्ज

हुबली । हुबली शहर में एक हिंदू युवक का जबरन धर्म परिवर्तन कराने के मामले में 11 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस के अनुसार, मांड्या जिले के मद्दुर तालुक के यादवनहल्ली निवासी 26 वर्षीय श्रीधर गंगाधारा का जबरन धर्म परिवर्तन कराके उसका नाम मोहम्मद सलमान रख दिया गया। पुलिस ने बताया कि श्रीधर एक निजी कंपनी का कर्मचारी है और आर्थिक तंगी से गुजर रहा था। उसने यह बात अताउर रहमान के साथ साझा की, जो उसे मई में बेंगलुरु की एक मस्जिद में ले गया। श्रीधर को मस्जिद में बंद कर दिया गया और जबरदस्ती 'खतना' किया गया और उसे गाय का मांस खाने पर मजबूर किया गया। उन्होंने धर्म परिवर्तन को लेकर खाली कागजों पर उनके हस्ताक्षर भी ले लिए। इसके बाद उसको श्रीधर को आंध्र प्रदेश के तिरुपति, पुत्तूर, भुवनगर मस्जिदों में ले जाया गया और उसको इस्लाम का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने उसे हर साल कम से कम तीन व्यक्तियों को इस्लाम में परिवर्तित करने को कहा गया। इसके साथ ही उसको एक पिस्टल दी गई और तस्वीरें ली गईं। पुलिस ने कहा कि आरोपी ने उसे धमकी दी कि अगर उसने उनकी बात नहीं मानी तो उसे आतंकवादी के रूप में पेश कर दिया जाएगा। उन्होंने उसके खाते में 35,000 रुपए ट्रांसफर किए और उसे उनके आदेश का पालन करने को कहा। घटना का पता तब चला जब वह हाल ही में हुबली के भैरीदेवरकोप्पा में अज्ञात व्यक्तियों के एक गिरोह द्वारा हमला किए जाने के बाद थाने गया था। पुलिस ने कहा कि वह यहां आया था, क्योंकि उसकी फेसबुक महिला मित्र ने उसे मिलने के लिए बुलाया था। आगे की जांच जारी है।

मिजोरम में 167 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, महिला गिरफ्तार

आइजोल । मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपने अभियान में एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए असम राइफल्स के जवानों ने पूर्वी मिजोरम के चंफाई जिले में 167.86 करोड़ रुपए की अत्यधिक नशे की लत वाली 5.05 लाख मेथमफेटामाइन गोलियां बरामद की हैं। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एएस वालिया ने बताया कि 55.8 किग्रा ड्रग्स को एक वाहन में गुप्त रूप से लाया गया। उन्होंने कहा हमारे सैनिकों ने मेलबुक गांव में वाहन को रोका और 50 बड़े बंडलों में निहित 5.05 लाख मेथमफेटामाइन की गोलियां बरामद की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ड्रग्स जब्ती के सिलसिले में एक महिला को भी गिरफ्तार किया गया है। जब्त ड्रग्स और हिरासत में ली गई महिला को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए जोखावथर थाने को सौंपा गया है। पुलिस को संदेह है कि ड्रग्स की तस्करी म्यांमार से की गई। मिजोरम अपने पड़ोसी देश म्यांमार के साथ 510 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है।

कांग्रेस ने भाजपा पर भारत जोड़ो यात्रा के दौरान फर्जी खबरें फैलाने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को केरल में 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान पार्टी की छात्र इकाई की एक महिला कार्यकर्ता के साथ राहुल गांधी की तस्वीर को लेकर कथित रूप से फर्जी खबर फैलाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने ट्विटर हैंडल पर तस्वीर साझा करते हुए आरोप लगाया कि यह बेंगलुरु की एक छात्रा अमूल्य लियोना नोरोन्हा है जिसे फरवरी 2020 में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। भाजपा पर निशाना साधते हुए कांग्रेस ने कहा कि तस्वीर में दिख रही लड़की केरल में कांग्रेस की छात्र इकाई की पदाधिकारी मिवा जॉली है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि यह भाजपा के 'डर्टी ट्रिक्स डिपार्टमेंट' का काम है। वेणुगोपाल ने ट्वीट किया, ''भारत जोड़ो यात्रा की शानदार सफलता से परेशान भाजपा का 'डर्टी ट्रिक्स डिपार्टमेंट ओवरटाइम' काम कर रहा है। सुश्री मिवा जॉली, केएसयू एर्नाकुलम जिला सचिव के साथ राहुल गांधी का एक वीडियो झूठ फैलाने वाली उनकी मशीन के लिए नवीनतम चारा है। मित्रों, आप कितना नीचे गिर सकते हो?'' कांग्रेस प्रवक्ता लावण्या बल्लाल ने कहा कि पार्टी भाजपा समर्थक प्रीति गांधी के खिलाफ कानूनी कदम उठाएगी, जिन्होंने कथित तौर पर फर्जी संदेश प्रसारित किया था।

गुजरात दौरे के दौरान बोले सीएम केजरीवाल

कांग्रेस को वोट दिया तो सोनिया का बेटे और बीजेपी को वोट दिया तो अमित शाह के बेटे की होगी तरक्की

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए बस कुछ ही महीने शेष हैं। राजनीतिक दलों ने अपनी सियासी गतिविधियों को बढ़ा दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान आज अहमदाबाद पहुंचे। अहमदाबाद पहुंचे अरविंद केजरीवाल ने इस दौरान कहा कि यदि आप भाजपा को वोट देते हैं, तो केवल अमित शाह का बेटा ही आगे बढ़ेगा। एक रैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि 27 साल बाद कुछ नया होगा। अगर आप सोनिया गांधी को वोट देंगे तो राहुल गांधी की तरक्की होगी। अगर आप बीजेपी को वोट देंगे तो अमित शाह के बेटे की तरक्की होगी।

दिल्ली के सीएम ने आगे कहा कि अन्य राजनीतिक दल विकास नहीं देख सकते हैं और उनकी तुलना आतंकवादी से करते हैं। केजरीवाल ने कहा कि 'ये लोग विकास नहीं देख सकते हैं और वे मेरी तुलना आतंकवादी से कर रहे हैं। हमारे कार्यक्रम स्थल अंतिम समय में रद्द हो जाते हैं। इस गुंडागर्दी का जवाब गुजरात की जनता देगी। केजरीवाल के साथ अहमदाबाद आए पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि वे सिर्फ भाषण देने के लिए नहीं बल्कि चर्चा के लिए आए हैं।

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि हम भाषण नहीं देते हम यहां आपके साथ चर्चा के लिए आए हैं। हम सिर्फ बोलते नहीं बल्कि सुनते भी हैं जबकि बीजेपी सिर्फ बोलती है। सुनिए लोगों की मन की बात। आपके पास अब सिस्टम को बदलने की शक्ति है। हमारी पार्टी रामलीला मैदान से शुरू हुई, भ्रष्टाचार विरोधी क्षण से शुरू हुई। इंजीनियर, डॉक्टर सभी हमारी पार्टी में हैं। उन्होंने कहा, 'पंजाब में हमारे पास 92 सीटें हैं। इनमें से 82 फर्स्ट टाइमर हैं। सभी युवा हैं। यह आम आदमी पार्टी है जो युवाओं को सदन तक ले जाती है।

ओवैसी ने गुजरात में तीन उम्मीदवारों का किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने अपने तीन प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। इन तीन प्रत्याशियों में एक हिंदू प्रत्याशी भी है। कौशिका बेन परमार नाम की महिला को ओवैसी ने दाणिलिमडा विधानसभा सीट से अपनी पार्टी का प्रत्याशी बनाया है। यह पहली बार है जब गुजरात में ओवैसी की पार्टी ने किसी हिंदू प्रत्याशी को मैदान में उतारा है। कौशिका बेन परमार के साथ ही एआईएमएम ने पूर्व विधायक और वर्तमान में गुजरात एआईएमएम के प्रदेश अध्यक्ष साबिर काबलीवाला को जमालपुर-खाड़िया विधानसभा सीट से टिकट दिया है। अहमदाबाद के किनारे पर स्थित इस सीट से वर्तमान में कांग्रेस पार्टी से इमरान खेड़ावाला विधायक हैं। मुस्लिम-दलित बाहुल्य इस सीट पर साबिर काबलीवाला को को टिकट देना ओवैसी की पार्टी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। कौशिका बेन परमार वर्तमान [illegible] की महिला विंग अहमदाबाद की अध्यक्ष हैं, जिन्हें साल के अंत में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए ओवैसी की पार्टी ने दाणिलिमडा सीट से प्रत्याशी बनाया है। पूर्वी अहमदाबाद में स्थित दाणिलिमडा से कांग्रेस पार्टी से शैलेश परमार विधायक हैं। इस विधानसभा सीट में मुस्लिम और दलित वोटों की संख्या ज्यादा है। दाणिलिमडा विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व सीट है। तीसरे प्रत्याशी के रूप में सूरत पूर्वी विधानसभा सीट से वसीम कुरैशी को एआईएमएम का प्रत्याशी घोषित किया गया है।

कांग्रेस में चौथी बार चुनाव के आसार 24 साल बाद होगा गैर-गांधी अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए इस बार चुनावी मुकाबले की प्रबल संभावना है। अगर ऐसा होता है तो आजाद हिंदुस्तान में यह चौथा मौका होगा जब देश की सबसे पुरानी पार्टी का प्रमुख मतदान के जरिए चुना जाएगा। हालांकि, यह लगभग तय नजर आ रहा है कि अगला कांग्रेस अध्यक्ष गांधी परिवार से बाहर का होगा और यह भी 24 साल बाद होगा कि देश के इस प्रमुख राजनीतिक परिवार से इतर कोई व्यक्ति कांग्रेस की कमान संभालेगा। गांधी परिवार से बाहर के आखिरी अध्यक्ष सीताराम केसरी थे, जिनके बाद सोनिया गांधी ने पार्टी का शीर्ष पद का संभाला था। इस बार राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और लोकसभा सदस्य शशि थरूर के बीच चुनावी मुकाबले के आसार हैं, हालांकि कुछ अन्य उम्मीदवारों के मैदान में उतरने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। चुनाव होने पर इस बार 9000 से अधिक डेलीगेट (निर्वाचक मंडल के सदस्य) मतदान करेंगे। कांग्रेस का कहना है कि वह देश की इकलौती पार्टी है जिसके अध्यक्ष का चुनाव लोकतांत्रिक ढंग से होता है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इस बार के चुनाव के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा, 'मैं के. कामराज के विचारों को मानने वाला व्यक्ति हूं कि चुनाव सर्वसम्मति से होना चाहिए, लेकिन सहमति नहीं बन पाए तो चुनाव जरूरी हो जाता है। कांग्रेस एकमात्र पार्टी है जहां लोकतांत्रिक और पारदर्शी ढंग से चुनाव होता है। फिलहाल गहलोत जी ने चुनाव लड़ने की घोषणा की है और थरूर ने संकेत दिया है कि वह चुनाव लड़ेंगे। ऐसे में संभावना है कि 17 अक्टूबर को चुनाव होगा।' कांग्रेस के 137 साल के इतिहास पर नजर डालें तो पता चलता है कि ज्यादातर समय अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ, यानि दो या इससे अधिक उम्मीदवारों के बीच चुनावी मुकाबले की स्थिति पैदा नहीं हुई। आजादी से पहले का 1939 का कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव इस मायने में याद किया जाता है कि इसमें महात्मा गांधी समर्थित उम्मीदवार पट्टाभि सीतारमैया को नेताजी सुभाष चंद्र बोस से हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव में बोस को 1,580 वोट मिले थे तो वहीं सीतारमैया को 1,377 ही वोट हासिल हुए थे। बहरहाल, आजादी के बाद कांग्रेस अध्यक्ष पद का पहला चुनाव 1950 में हुआ। आचार्य कृपलानी और पुरुषोत्तम दास टंडन के बीच चुनावी मुकाबला हुआ। इसमें टंडन विजयी हुए। टंडन को 1,306 वोट मिले तो कृपलानी को 1,092 वोट हासिल हुए। बाद में तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के साथ मतभेदों की वजह से टंडन ने इस्तीफा दे दिया। फिर नेहरू ने पार्टी की कमान संभाली। उन्होंने 1951 और 1955 के बीच पार्टी प्रमुख और प्रधानमंत्री के रूप में काम किया। नेहरू ने 1955 में कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ दिया और यूएन धेबर कांग्रेस अध्यक्ष बने। 1950 के बाद कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए 47 साल तक चुनावी मुकाबला नहीं हुआ। 1997 में पहली बार त्रिकोणीय चुनावी मुकाबला हुआ। सीताराम केसरी, शरद पवार और राजेश पायलट ने चुनाव लड़ा और इसमें केसरी विजेता बने। केसरी को 6,224 वोट मिले तो पवार को 882 और पायलट को 354 वोट हासिल हुए थे। इस चुनाव के एक साल बाद ही कांग्रेस कार्य समिति ने एक प्रस्ताव पारित कर केसरी को हटा दिया था और यह बहुत ही चर्चित व विवादित प्रकरण रहा। आजाद भारत में कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए तीसरी बार चुनाव साल 2000 में हुआ, जब सोनिया गांधी के सामने उत्तर प्रदेश के दिग्गज ब्राह्मण नेता जितेंद्र प्रसाद खड़े हुए। कभी राजीव गांधी के राजनीतिक सचिव रहे प्रसाद को इस चुनाव में करारी हार झेलनी पड़ी और उन्हें सिर्फ 94 वोट हासिल हुए। सोनिया को 7,400 डेलीगेट का समर्थन मिला था। आजादी के बाद अब तक पार्टी की कमान 16 लोग संभाल चुके हैं, जिसमें गांधी परिवार के पांच अध्यक्ष रहे हैं। वर्तमान में कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी है और वह कांग्रेस के इतिहास में सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष पद पर रहने वाली महिला नेता हैं।

अमित शाह ने बिहार में बीजेपी कार्यकर्ताओं में जोश भरा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बिहार के सीमांचल क्षेत्र के जिलों से आने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं में शनिवार को जोश भरा। भाजपा के प्रमुख रणनीतिकार माने जाने वाले शाह बिहार में पिछले महीने राजनीतिक उठा-पटक के कारण भाजपा के सत्ता गंवाने के बाद पहली बार राज्य के दौरे पर आए हैं। शाह ने राज्य के इकलौते मुस्लिम बहुल जिले किशनगंज में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। वह शुक्रवार शाम से जिले में हैं।

भाजपा के राज्य के प्रभारी महासचिव विनोद तावड़े ने पूर्णिया मंडल के चार जिलों के कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात की जानकारी साझा की। पूर्णिया मंडल को आधिकारिक रूप से सीमांचल के नाम से जाना जाता है। तावड़े ने ट्वीट किया, ''गृह मंत्री ने कहा कि यह राष्ट्रीय हित में है कि भाजपा चार जिलों पूर्णिया, किशनगंज, अररिया और कटिहार में मजबूत रहे।'' इन सभी जिलों में मुस्लिमों की अच्छी-खासी आबादी है और भाजपा लंबे समय से यह दावा करती है कि बांग्लादेशी शरणार्थियों और म्यांमा से रोहिंग्याओं के अवैध प्रवेश के कारण यहां मुस्लिमों की तादाद ज्यादा है।

तावड़े ने कहा कि शाह ने पार्टी के कार्यकर्ताओं की स्थानीय विकास कार्यों से जुड़ी शिकायतें बड़े धैर्यपूर्वक सुनी और उन्हें जल्द समाधान निकालने का आश्वासन दिया। गृह मंत्री ने देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर 'अमृत महोत्सव' के तहत माता गुजरी विश्वविद्यालय में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद बिहार का 30 घंटे का दौरा संपन्न किया। इस बीच, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) के नेताओं ने एक दिन पहले पूर्णिया में एक रैली में यह कहने के लिए शाह पर तीखा प्रहार किया कि शहर में अब एक हवाई अड्डा है।

गुलाम नबी आजाद जम्मू पहुंचे, अगले हफ्ते कर सकते हैं अपनी पार्टी का ऐलान

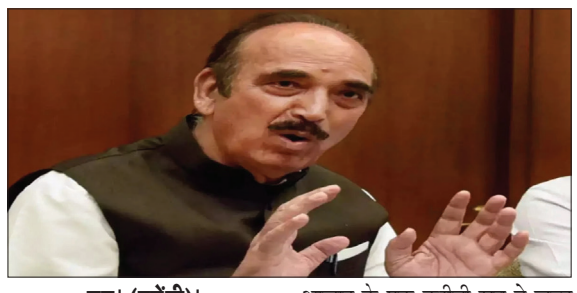

जमू। (एजेंसी)।

पिछले महीने कांग्रेस से अपना पांच दशक से अधिक पुराना नाता तोड़ने वाले वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद अगले कुछ दिनों में अपनी पार्टी के नाम का ऐलान कर सकते हैं। दिल्ली से जम्मू पहुंचे आजाद ने संवाददाताओं से कहा, '' मैं अपने दल की शुरुआत करने से पहले कल (सोमवार को) मीडिया को आमंत्रित करने जा रहा हूं। मैं यहां कार्यकर्ताओं और नेताओं से मिलने आया हूं।''

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री आजाद के एक करीबी सूत्र ने जल्द ही नये दल की घोषणा की खबर की पुष्टि की है। आजाद के 27 सितंबर को श्रीनगर का दौरा करने की जानकारी साझा करते हुए सूत्र ने कहा, ''वह (आजाद) आज दिन में वरिष्ठ और दूसरी कतार के नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे।'' उन्होंने कहा कि नयी पार्टी के नाम और झंडे को अंतिम रूप दे दिया गया है और जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य में एक या दो दिन में नया दल सामने आ जाएगा।

गहलोत के समर्थन में सामने आए केरल के कांग्रेस सांसद, कहा वह गांधी-नेहरू परिवार के वफादार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए होने वाले की स्थिति साफ हो गई है। सांसद शशि थरूर और राजस्थान के मुख्यंत्री अशोक गहलोत के बीच मुकाबला लगभग तय है। थरूर ने इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। अशोक गहलोत की उम्मीदवारी भी तय है और वह कभी भी राजस्थान के सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इस बीच पार्टी के कई नेता गहलोत को नेहरू-गांधी परिवार का वफादार बताते हुए उनके समर्थन में सामने आए हैं।

केरल के कांग्रेस सांसद कन्नोथ मुरलीधरन ने कहा कांग्रेस सांसद थरूर पार्टी प्रमुख का चुनाव लड़ सकते हैं, क्योंकि सोनिया गांधी ने स्पष्ट कहा है कि कोई भी यह चुनाव लड़ सकता है। गहलोत के जीतने की संभावना की तरफ इशारा करते हुए मुरलीधरन ने कहा, अशोक गहलोत ने खुले तौर पर कहा कि वह नेहरू-गांधी परिवार का समर्थन करते हैं। ऐसे में अगर वह नामांकन करते हैं तो हमारा वोट अशोक गहलोत को ही जाएगा। वह एक वरिष्ठ व्यक्ति हैं और इस पद को संभालने के लिए एक सक्षम व्यक्ति हैं।

उन्होंने आगे कहा राहुल गांधी पार्टी का नेतृत्व करेंगे, लेकिन वह आधिकारिक पद नहीं लेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा पार्टी में 'एक आदमी-एक पद' के सिद्धांत को लागू करने पर जोर देने के बावजूद राजस्थान सरकार के कई मंत्रियों ने भी अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष दोनों पदों पर बनाए रखने की वकालत की है। सोनिया गांधी ने राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन के साथ मल्लिकार्जुन खड़गे को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। एआईसीसी महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने कहा कि वे राजस्थान विधानसभा के कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक में शामिल होंगे।

राजस्थान सरकार में शामिल कुछ मंत्रियों ने नए मुख्यमंत्री के रूप में सचिन पायलट का समर्थन भी किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान इस संबंध में जो भी फैसला करेगा, वह उसे स्वीकार करेंगे। सैनिक कल्याण मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने पायलट को राजस्थान में कांग्रेस का 'सर्वश्रेष्ठ चेहरा' बताया है। राजस्थान में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर आपदा प्रबंधन एवं राहत मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने कहा राज्य में एक साल में चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में अगर आलाकमान उन्हें दोनों पद (कांग्रेस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री) देता है तो यह हमारे लिए सुखद होगा।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा हम सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मिलकर अनुरोध करेंगे कि राजस्थान नेतृत्व परिवर्तन नहीं चाहता है। हम अपने विचार रखेंगे। हमें चुनाव में अशोक गहलोत के कार्यों को लोगों के बीच लेना होगा, इसलिए इसमें बदलाव की कोई आवश्यकता नहीं है। हमें भाजपा को हराना है और अगर चुनाव गहलोत के नेतृत्व में लड़ा जाता है तो इससे पार्टी को फायदा होगा।

शहीद भगत सिंह के नाम पर होगा चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नामकरण, भगवंत मान बोले- थैंक्यू मोदी जी

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम 'शहीद-ए-आजम' भगत सिंह के नाम पर रखने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा का स्वागत करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को कहा कि पंजाब के लोगों की लंबे समय से लंबित मांग पूरी हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो पर प्रसारित अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि के तौर पर अब चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम उनके नाम पर रखा जायेगा। मान ने ट्वीट कर कहा, ''अंतत: हमारी मांग पूरी हुयी। शहीद भगत सिंह के नाम पर चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम रखने के निर्णय का पूरे पंजाब की तरफ से हम स्वागत करते हैं।'' प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुये उन्होंने कहा, ''पंजाब के लोगों की लंबे समय से लंबित मांग अब पूरी हुयी है।'' हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने भी इस घोषणा का स्वागत किया है। चौटाला ने कहा कि पंजाब और हरियाणा की सरकारें इससे पहले चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने के लिये सहमत हुयी थीं।

पिछले महीने इस मुद्दे पर भगवंत मान और दुष्यंत चौटाला की हुयी बैठक के बाद यह फैसला आया है। मान ने कहा, ''मैं खुश हूं कि हमारे प्रयास रंग लाए हैं और प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में इस आशय की घोषणा की है।'' प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते हुये चौटाला ने कहा, ''यह भी प्रसन्नता का विषय है कि यह घोषणा चौधरी देवीलाल की जयंती (25 सितंबर) के मौके पर हुयी है।'' गौरतलब है कि चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम इससे पहले विवादों में पड़ गया था। पंजाब सरकार ने 2017 में हवाई अड्डे का नाम ''शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, मोहाली'' रखने की मांग की थी। हरियाणा सरकार ने यह कहते हुये आपत्ति जतायी कि उसे भगत सिंह के नाम पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन हवाई अड्डे के नाम में 'मोहाली' जोड़े जाने पर चिंता जाहिर की थी। हवाई अड्डे का रनवे चंडीगढ़ में स्थित है, जबकि अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल रनवे के दक्षिण की तरफ स्थित है, जो मोहाली जिले के झिउरहेरी गांव में पड़ता है। मोहाली पंजाब का हिस्सा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ध्रुवेश इंडस्ट्रीस सचीन जी.आई.डी.सी.आग की घटना या संजिश ?

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, सचीन जी.आई.डी.सी. में इस महीने में आग लगने की घटना संजिश के तहत तो नही लगया गया. सूत्रों के अनुसार मील मालिकों में मंदी के कारणवश आग लगया गया हैं इस तरह की चर्चाएँ कर्मचारीयों में हो रही, जो की जाँच के बाद ही आग के कारणों का पता लगया जा सकता होने से चर्चा का विषय बना हुआ हैं

आरटीआई कानून में कार्य सुपरिभाषित नहीं इसलिए सूचना आयुक्तऔर कोर्ट न छीनें निरीक्षण का अधिकार – आरटीआई एक्टिविस्ट

धारा 2(जे)(1) के तहत समस्त कार्यों का होगा निरीक्षण – आत्मदीप

निरीक्षण से कई बार होता है भ्रष्टाचार का खुलासा – आवेदक

निरीक्षण किसी कार्य और दस्तावेज का होता है वस्तुओं का नहीं – राहुल सिंह

कोर्ट के आदेश के बाद हमने अपनी निरीक्षण की स्ट्रेटजी में किया बदलाव – भास्कर प्रभु

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अभी हाल ही में एक हाईकोर्ट के निरीक्षण करने संबंधी आदेश और फिर उसके बाद एक आरटीआई अपील पर मप्र राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह के आदेश को लेकर चर्चा के दौरान बड़े रोचक तथ्य सामने आए हैं। देशभर के जुड़े आरटीआई कार्यकर्ताओं ने कानून की धारा 2(जे)(1) के तहत निरीक्षण करने के अधिकार को दबाए जाने का आरोप लगाया है। परिचर्चा के दौरान आरटीआई आवेदकों द्वारा कहा गया की क्योंकि आरटीआई कानून में कार्य को सुपरिभाषित नहीं किया गया है इसलिए शासकीय धन से कराए जा रहे किसी भी कार्य चाहे वह कार्य पूर्ण हो चुका हो अथवा कार्य चल रहा है उन सबके निरीक्षण का अधिकार भारत देश के किसी भी नागरिक के पास है। और वह आवेदक आरटीआई आवेदन लगाकर निरीक्षण कर सकता है। यदि कोर्ट अथवा सूचना आयोग आवेदकों के इस निरीक्षण के अधिकार को छीनने का प्रयास कर रहे हैं वह कानून को कमजोर करने की दिशा में बढ़ाया गया कदम होगा।

निरीक्षण किसी कार्य का हो सकता है न की वस्तुओं का – सूचना आयुक्त राहुल सिंह

मध्य प्रदेश के परिपेक्ष्य में अभी हाल ही में सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने एक आदेश जारी करते हुए किसी आरटीआई अपीलार्थी के उस आवेदन

को खारिज कर दिया जिसमें आवेदक ने किसी कार्यालय में लगाए गए एयर कंडीशनर के निरीक्षण की मांग की थी। सूचना आयोग का तर्क था कि निरीक्षण सैंपल लेने की प्रक्रिया के तहत देखा जाना चाहिए और क्योंकि धारा 2(जे)(3) के तहत किसी चल रहे कार्य के सैंपल लेने का अधिकार प्राप्त है इसलिए धारा 2(जे)(1) में उसी कार्य का निरीक्षण किया जा सकता है जो कार्य चल रहा हो। किसी वस्तु जैसे एयर कंडीशनर पंखा आदि वस्तुओं का निरीक्षण किए जाने का प्रावधान आर टी आई कानून में नहीं है। हालांकि वर्तमान राज्य सूचना आयुक्त ने कहा कि यह आदेश परिस्थितिजन्य है और आवेदक यहां पर स्पष्ट नहीं कर पाया की वह एयर कंडीशनर का निरीक्षण क्यों करना चाह रहा था? यदि निरीक्षण से संबंधित कोई भ्रष्टाचार जैसी स्थिति बताई जाती तो निश्चित तौर पर निरीक्षण का आदेश दिया जाता है।

क्योंकि कार्य को सुपरिभाषित नहीं किया गया इसलिए आमजन को निरीक्षण के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता – आत्मदीप

कार्यक्रम में पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने कहा कि वह वर्तमान सूचना

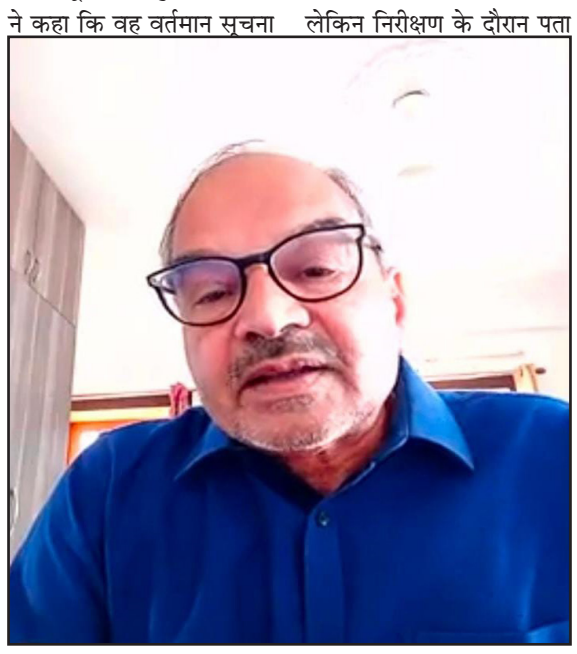

आयुक्त राहुल सिंह के अभी हाल ही के एयर कंडीशनर के निरीक्षण संबंधी आदेश से इतर अपनी राय रखते हैं। आत्मदीप ने कहा कि आरटीआई कानून में निरीक्षण भले ही कार्य का हो लेकिन कार्य अथवा कृति बहुत सही ढंग से परिभाषित नहीं है इसलिए कार्य को विभाजित करने के मामले में इतनी दूर तक नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई भ्रष्टाचार निरीक्षण करने के दौरान ही सामने आते हैं और कॉमनवेल्थ घोटाले का जिक्र करते हुए आत्मदीप ने बताया की खेल सामग्रियों के बिल कई लाखों रुपए के लगे थे लेकिन निरीक्षण के दौरान पता चला कि वह सब लोकल स्तर के लगाए गए थे। उन्होंने कहा की जब कोई कार्य चल रहा होता है तो कार्य से संबंधित इंस्ट्रूमेंट उपयोग की जाने वाली सामग्री वह सब कार्य के तहत ही आती है इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि एयर कंडीशनर टेबल कुर्सियां पंखे या कार्यालय में लोकधन से लगाए गए सामग्री कार्य की श्रेणी में नहीं आते बल्कि यह सभी सामग्रियां भी कार्य की श्रेणी में ही होती है।

हाई कोर्ट का निर्णय जिसमें कार्य का निरीक्षण नहीं किया जा सकता पूरी तरह से अवैधानिक – शैलेश गांधी

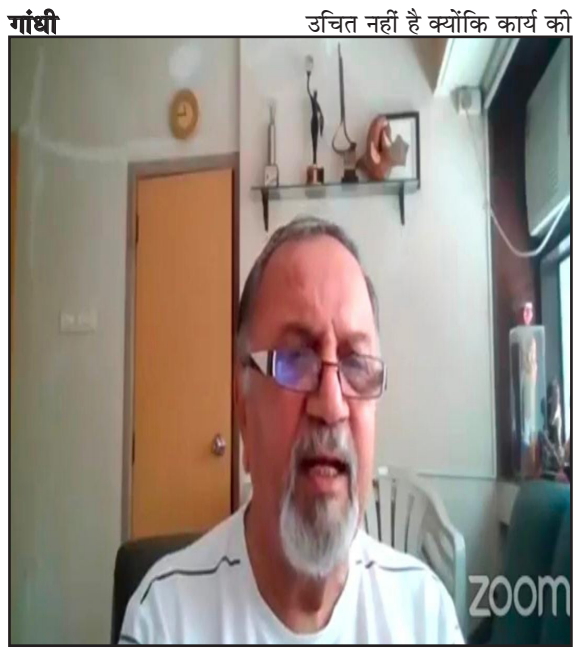

पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने बताया कि हमने हाईकोर्ट के उस निर्णय के बारे में भी सुना है जिसमें यह कहा गया है की निरीक्षण मात्र दस्तावेजों का किया जाएगा न कि कार्य का जो पूरी तरह से अवैधानिक है और आरटीआई कानून को बदलने का प्रयास है। आरटीआई कानून में बहुत स्पष्ट तौर पर कृति अर्थात कार्यों का निरीक्षण करने के लिए लिखा गया है जिसमें पूर्ण हुए कार्य और चल रहे कार्य सभी आते हैं। उन्होंने कहा कि वह आत्मदीप के विचार से सहमति रखते हैं और कार्य के नाम पर विभाजन किया जाना उचित नहीं है क्योंकि कार्य की परिभाषा काफी बड़ी है। शैलेश गांधी ने यह भी कहा कि हालांकि राहुल सिंह के निर्णय काफी महत्वपूर्ण होते हैं और जो भी उन्होंने निर्णय दिया होगा वह वस्तु स्थिति के अनुसार ही दिया होगा। और यह जरूरी नहीं है कि राहुल सिंह का दिया गया निर्णय सभी आगे के निर्णय में सामान रहेगा।

हाईकोर्ट के निरीक्षण संबंधी आदेश के बाद हमने अपनी स्ट्रेटेजी में किया बदलाव – भास्कर प्रभु

मुंबई महाराष्ट्र से आरटीआई एक्टिविस्ट और सामाजिक कार्यकर्ता भास्कर प्रभु ने कहा कि जब से कार्य के निरीक्षण संबंधी हाईकोर्ट का निर्णय आया है जिसमें बड़े ही उटपटांग तरीके से कानून का अमेंडमेंट किया गया उसके बाद हमने अपने निरीक्षण जैसे शब्दों को लिखना ही बंद कर दिया और आरटीआई में हम सर्वे किए जाने की मांग करते हैं।

कार्यक्रम में जुड़े हुए कई आरटीआई कार्यकर्ताओं ने अपनी सक्सेस स्टोरी भी शेयर की जिसमें उन्होंने बताया कि किस तरह से आरटीआई कानून का और इस वेबीनार का उपयोग करते हुए उन्होंने बड़े भ्रष्टाचार उजागर किए हुए हैं और उन्हें सफलता मिल रही है। कार्यक्रम में राव धनवीर सिंह, वीरेंद्र कुमार ठक्कर, देवेंद्र अग्रवाल आदि आरटीआई कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी के द्वारा किया गया